मंगलवार
19 अप्रैल 2022

पृष्ठ 4

इन तरीकों से करें लैपटॉप की सफाई, नहीं आएगी कोई खराबी

पृष्ठ 5

कुछ अलग करने में मुझे जोश मिलता है:यामी गौतम

● देहरादून
● वर्ष 30
● अंक 80
● पृष्ठ 8
● मूल्य ₹ 1.00

आज का विचार

रंग में वह जादू है जो रंगने वाले, भीगने वाले और देखने वाले तीनों के मन को विभोर कर देता है।

– मुक्ता

दूनवैलीमेल

सांध्य दैनिक

email: doonvalley_news@yahoo.com Website: dunvalleymail.com

आर.एन.आई.- 59626/94

डीएवीपी से मान्यता प्राप्त

चारधाम यात्रा क्षेत्र में गैर हिंदुओं का होगा वेरीफिकेशन

❑ मुख्यमंत्री धामी ने दिए अधिकारियों को विशेष अभियान चलाने के आदेश

विशेष संवाददाता

देहरादून। चारधाम यात्रा क्षेत्र में गैर हिंदुओं के प्रवेश के मुद्दे को लेकर मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने अपना रुख स्पष्ट करते हुए कहा है कि चारधाम यात्रा क्षेत्र में सभी गैर हिंदुओं का वेरिफिकेशन कराया जाएगा। उनका कहना है कि उन्होंने अधिकारियों को वेरिफिकेशन ड्राइव चलाने के निर्देश दे दिए गए हैं।

मुख्यमंत्री का कहना है कि हमारा प्रदेश एक शांत प्रदेश है हम चाहते हैं कि देवभूमि की धर्म संस्कृति और आध्यात्मिक छवि बरकरार रहे। इसके हर संभव प्रयास सरकार की तरफ से किए जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि उत्तराखंड में अराजकता फैलाने की इजाजत किसी को भी नहीं दी जा सकती है। यंहा यह भी उल्लेखनीय है कि अभी कुछ दिन पूर्व हरिद्वार के कुछ संतो द्वारा चारधाम यात्रा में गैर हिंदुओं के प्रवेश पर रोक लगाने की मांग मुख्यमंत्री से यह कहकर की गई थी कि यात्रा मार्गों पर दुकान लगाने वालों से लेकर घोड़ा खच्चर वालों तक तमाम गैर हिंदुओं द्वारा श्रद्धालुओं के साथ अभद्रता की जाती है। इसलिए चारधाम यात्रा क्षेत्र में गैर हिंदुओं के प्रवेश पर रोक लगानी चाहिए।

मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी से आज जब इस बारे में पूछा गया तो उन्होंने भले ही सीधे-सीधे चारधाम यात्रा में गैर हिंदुओं के प्रवेश पर रोक लगाने की बात न कहीं गई हो लेकिन उन्होने यह कहकर कि चारधाम यात्रा क्षेत्र में सभी गैर हिंदुओं का वेरिफिकेशन कराया जाएगा,

अपनी भावनाएं और इरादों को साफ कर दिया गया है। उनका कहना है कि जिनका वेरीफिकेशन नहीं हुआ है वह अपना वेरिफिकेशन करा लें जिससे प्रशासन और सरकार के पास उनके बारे में सभी सही जानकारियां रहे।

उधर भाजपा विधायक दिलीप रावत ने भी मुख्यमंत्री धामी के इस फैसले का स्वागत करते हुए कहा है कि उनका फैसला एकदम सही है। उन्होंने कहा है कि चारधाम यात्रा में गैर हिंदुओं के प्रवेश पर रोक लगनी चाहिए उन्होंने इसके बारे में मुख्यमंत्री से राज्य में गैर हिंदुओं के बसने और जमीन खरीदने पर भी रोक लगाने की मांग की है। उनका कहना है कि गैर हिंदुओं को राज्य में किराए पर भी मकान या दुकान नहीं दिए जाने चाहिए। वह भावी भविष्य के लिए बड़ा खतरा बन सकते हैं। उन्होंने कहा कि आज पूरे उत्तराखंड में उत्तर प्रदेश से आए गैर हिंदुओं की बड़ी तादाद मौजूद है। जिससे क्षेत्रीय असंतुलन की स्थिति पैदा हो रही है वही अपराधों में भी वृद्धि हो रही है।

भाजपा की सोच विभाजनकारी: कांग्रेस

देहरादून। कांग्रेस नेताओं ने मुख्यमंत्री धामी के इस फैसले को भाजपा की विभाजनकारी सोच बताया है। पूर्व मुख्यमंत्री हरीश रावत का कहना है कि उन्होंने तो कभी किसी गैर हिंदू को चार धाम यात्रा पर जाते नहीं देखा है हां हिंदुओं को जरूर दरगाह पर माथा टेकते और चादर चढ़ाते देखा है। पूर्व सांसद प्रदीप टम्टा का कहना है कि भाजपा के पास मंदिर-मस्जिद और हिंदू-मुस्लिम के अलावा और कोई मुद्दा ही क्या है? जबकि कांग्रेस विधायक राजेंद्र भंडारी का कहना है कि मैं हिंदू हूं मुझे इस पर गर्व है मुझे भाजपा से सर्टिफिकेट की जरूरत नहीं है। क्योंकि भाजपा के लिए सिर्फ वही हिंदू है जो भाजपा में है।

मोदी से ईशनिंदा कानून लाने की मांग

देहरादून। विश्व हिंदू रक्षा दल के कार्यकर्ताओं ने आज राजधानी में आयोजित पत्रकार वार्ता में शोभा यात्राओं के दौरान हुए हमलों की निंदा करते हुए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से एक कठोर ईशनिंदा कानून बनाने की मांग की है। दल के कार्यकर्ताओं का कहना है कि आज हिंदुओं की शोभायात्राओं के ऊपर हमले हो रहे है, मंदिरों पर हमले हो रहे हैं। हिंदुओं के देवी-देवताओं पर अश्लील टिप्पणियां कर उनका अपमान किया जा रहा है। जिसे हिंदू कतई बर्दाश्त नहीं करेंगे। उन्होंने प्रधानमंत्री मोदी को पत्र लिखकर मांग की है कि ईशनिंदा कानून लेकर आए जिससे ऐसी घटनाओं पर रोक लग सके।

अब दिल्ली में होगा सिर्फ एक नगर निगम, राष्ट्रपति ने दी मंजूरी

नई दिल्ली। राष्ट्रीय राजधानी में अब तीन नहीं बल्कि एक नगर निगम होगा। लोकसभा और राज्यसभा से पास होने के बाद तीन नगर निगमों एकीकरण के प्रस्ताव दिल्ली नगर निगम (संशोधन) विधेयक, २०२२ को

राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद ने मंजूरी दे दी है। राष्ट्रपति की मंजूरी के बाद यह प्रस्ताव अब एक कानून बन गया है। कानून मंत्रालय की ओर से इस संबंध म गजट नोटिफिकेशन जारी कर दिया गया है। १८ अप्रैल, २०२२ को जारी इस गजट नोटिफिकेशन के बाद अब तीनों दिल्ली नगर निगमों नार्थ, साउथ और ईस्ट को दिल्ली नगर निगम के रूप में जाना जाएगा। नए विधेयक के मुताबिक दिल्ली में तीन महापौर और तीन निगमायुक्त की व्यवस्था भी समाप्त हो जाएगी और अब दिल्ली में सिर्फ एक ही महापौर और निगमायुक्त होंगे। वार्डों की संख्या को भी २७२ की जगह २५० कध्या जाएगा। इसके साथ ही जानकारों का मानना है कि विधेयक के कानून का रूप अख्तियार कर लेने के बाद दिल्ली की तीनों नगर निगमों के एकीकरण के लिए डीलिमिटेशन की प्रक्रिया की जाएगी। डीलिमिटेशन की प्रक्रिया पूरी होने के उपरांत दिल्ली नगर निगम के चुनाव होंगे।

देश में पिछले 24 घंटे में आए कोविड-19 के 1,247 नए केस, 928 मरीज हुए ठीक

नई दिल्ली । देश में कल कोविड के दो हजार से ज्यादा मामले आने के बाद आज फिर थोड़ी राहत देखी गई है। कल के मुकाबले आज ६३६ केस कम दर्ज हुए हैं। पिछले राष्ट्रीय स्तर पर कोविड के नए मामलों में हो रही गिरावट दर्ज की जा रही थी हालांकि कल आए महामारी के मामलों ने थोड़ी चिंता बढ़ा दी थी।

देश में अब उपचाराधीन मामलों की संख्या घटकर ११ हजार ८६० रह गई है। वहीं कोरोना से रिकवर करने वालों की संख्या में लगातार बढ़ोतरी जारी है। देश में पिछले २४ घंटे में १ हजार २४७ केस दर्ज हुए हैं जिसके बाद संक्रमण के कुल मरीजों की संख्या ४,३०,४५,५२७ हो गई है।

केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय द्वारा मंगलवार सुबह जारी आंकड़ों के अनुसार, देश में एक दिन में कोरोना वायरस संक्रमण के १,२४७ नए मामले सामने आए हैं। वहीं, उत्तर प्रदेश में संक्रमण से एक व्यक्ति की मौत के बाद मृतक संख्या बढ़कर ५,२१,६६६ हो गई है। पिछले २४ घंटे में ६२८ लोग महामारी से ठीक हुई है जिसके बाद अब तक ठीक होने वालों की कुल संख्या ४,२५,११,७०१ हो गई है। आंकड़ों के अनुसार, संक्रमण की दैनिक दर ०.३१ प्रतिशत और साप्ताहिक दर ०.३४ प्रतिशत है।

आंकड़ों के मुताबिक, देश में कोविड–१६ के उपचाराधीन मरीजों की संख्या बढ़कर ११,८६० हो गई है, जो कुल मामलों का ०.०३ प्रतिशत है। पिछले २४ घंटे में उपचाराधीन मरीजों की संख्या में ३१८ की बढ़ोतरी दर्ज की गई। मरीजों के ठीक होने की राष्ट्रीय दर ६८.७६ प्रतिशत है। देश में कोविड–१६ से मृत्यु दर १.२१ प्रतिशत है। वहीं, राष्ट्रव्यापी टीकाकरण अभियान के तहत अभी तक कोविड–१६ रोधी टीकों की १८६.७२ करोड़ से अधिक खुराक लगाई जा चुकी हैं।

दून वैली मेल

संपादकीय

खतरा अभी भी बरकरार

भले ही हम यह माने बैठे हो कि कोरोना खत्म हो चुका है और विशेषज्ञ डॉक्टर भी कोरोना की चौथी लहर की संभावनाओं से इंकार कर रहे हो लेकिन कोरोना केसों की संख्या में हो रही अप्रत्याशित वृद्धि न सिर्फ खतरे की घंटी है बल्कि इस बात का संकेत है कि हमारी लापरवाही फिर हम पर भारी पड़ सकती है। बीते दो दिनों में कोरोना के नए मामलों की संख्या एक दिन में 1150 से बढ़कर 22 सौ के करीब हो जाना यह बताता है कि स्थिति फिर विस्फोटक हो सकती है। देश के उत्तर प्रदेश, दिल्ली और केरल तथा हरियाणा सहित 16 राज्यों में संक्रमण की दर तेजी से बढ़ रही है। उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा लखनऊ और नोएडा सहित सात जिलों में एक बार फिर कोविड गाइडलाइन जारी करते हुए मास्क पहनना अनिवार्य कर दिया गया है। दिल्ली जो हमेशा ही कोरोना संक्रमण का केंद्र रही है, में कोविड-19 के मामलों में भारी उछाल आया है नोएडा और गाजियाबाद के कुछ स्कूलों में बड़ी संख्या में छात्र-छात्राओं में कोविड-19 पुष्टि होने से हड़कंप मचा हुआ है। एक माह बाद फिर से कोरोना संक्रमण के गति पकड़ने के पीछे लोगों की लापरवाहियों को ही अहम माना जा रहा है। अभी जब पांच राज्यों के चुनाव चल रहे थे और कोरोना के कारण लगाई गई सभी पाबंदियों को हटा दिया गया था। लोगों ने मास्क और सोशल डिस्टेंसिंग को भुला दिया था। चुनावी कार्यक्रमों में भारी भीड़ देखी गई थी। दो साल बाद मिली पाबंदियों से मुक्ति के बाद लोग इस कदर लापरवाह हो गए थे कि उन्हें भीड़भाड़ वाले इलाकों में जाने पर भी कोई डर भय नहीं रह गया था सार्वजनिक स्थानों व समारोह में भारी भीड़ जुट रही थी जिसका नतीजा अब सामने आने लगा है। भले ही यह कहा जा रहा है कि अब कोरोना कमजोर पड़ चुका है। या लोगों को अब कोरोना के साथ जीने की आदत पड़ चुकी है लेकिन देश वासियों ने कोरोना की दूसरी लहर के दौरान जो दुख दर्द सहा है उसकी यादें इतनी डरावनी है कि कोई भी नहीं चाहेगा कि एक बार फिर वैसी स्थिति से देश को दो-चार होना पड़े लेकिन सच को झुठलाया भी नहीं जा सकता है। देश ही नहीं विश्व के कई राष्ट्रों में कोरोना के कारण अभी लोग पाबंदियों की मार झेल रहे हैं। चीन के शंघाई शहर में अभी भी कर्फ्यू लगा हुआ है। कोरोना से बचाव के लिए जो वैक्सीनेशन ड्राइव चलाया गया है उसकी रफ्तार भी अब धीमी पड़ती जा रही है। लोगों को यह समझ नहीं आ रहा है कि हर ६ महीने में वैक्सीन लगवाने का क्या तुक है? सच यही है कि यह वैक्सीन सिर्फ एक इम्यूनिटी बूस्टर डोज है जो शरीर की रोग प्रतिरोध ी क्षमता को बढ़ाता है इससे कोरोना का रोका नहीं जा सकता है। कोरोना से बचाव का सबसे बेहतर तरीका या दवा सतर्कता ही है। इसलिए मास्क और सोशल डिस्टेंसिंग की व्यवस्था को बनाए रखना जरूरी है। तभी संभावी खतरे से निपटा जा सकता है।

खलिया टाप रूरखान ट्रैक का दूसरा दल रवाना

विशेष संवाददाता

मुनस्यारी। यूथ हॉस्टल संघ इंडिया द्वारा सोमवार से शुरू हुए खलिया टॉप रूरखान ट्रैक का आज दूसरा दल रवाना हुआ। आज के दल को जिला पंचायत सदस्य जगत मर्तोलिया ने हरी झंडी दिखाकर टीम को रवाना किया गया। विभिन्न राज्यों से पहुंचे ट्रैकरों में उच्च हिमालयी क्षेत्र में स्थित मुनस्यारी को लेकर उत्साह देखने को मिला।

इस मौके पर जिला पंचायत सदस्य मार्तोलिया ने कहा कि आने वाले समय में ट्रैकर एक पौंध लगाकर इस अभियान को नहीं दिशा देंगे। उन्होंने कहा कि ट्रैकिंग के बाद इन ट्रेकरों से मुनस्यारी के पर्यटन विकास के बारे में सुझाव तथा शिकायत के रूप में संवाद के माध्यम से जानकारी इकट्ठा की जाएगी। उन्होंने यूथ हॉस्टल का आभार जताया कि उन्होंने इस हिमालय के क्षेत्र को ट्रेकिंग के लिए चुना।

इस मौके पर यूथ हॉस्टल से अपील की गई कि सीमा क्षेत्र में रहने वाले बच्चों की शिक्षा एवं सर्वांगीण विकास के लिए अपना न्यूनतम योगदान देने के लिए भी आगे आएं। इस हिमालय क्षेत्र के पर्यावरण को बचाने के लिए उनके सुझाव भी आमंत्रित किए गए। मर्तोलिया ने नये ट्रेकिंग रुटो का चयन करने के लिए यूथ हॉस्टल को आगे आने का न्यौता भी दिया। यह ट्रेक 10 दिन तक चलेगा इस प्रोग्राम में 300 लोग भाग ले रहे हैं। इनके बेस कैम्प मरतोली,रूरखान में होगा। एक दल को इस ट्रेकिंग में तीन दिन का समय लगता है। यूथ हॉस्टल द्वारा ट्रेकरों को स्थानीय उत्पादों को खरीदने के लिए भी प्रोत्साहित किया जा रहा है।

भारत के 17 राज्यो के प्रतिभागी इसमें भाग ले रहे है जिनमें दिल्ली, राजस्थान,केरल,मध्य प्रदेश,महाराष्ट्र,पंजाब आदि राज्यों के लोग है। आज के समारोह में यूथ होस्टल विजय पाल,ऐसी अटल,,राकेश तिवारी आदि लोग थे।

शरीफ से उम्मीद पालना जल्दबाजी होगी

अजीत द्विवेदी

पाकिस्तान के नए प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ से कोई भी उम्मीद पालना जल्दबाजी होगी। वे एक ऐसी सरकार के मुखिया बने हैं, जिसके पास बहुत मामूली बहुमत है और जिसे एक बेहद आक्रामक विपक्ष का सामना करना है। दूसरे, उनके पास अधिकतम सात महीने का समय है। पाकिस्तान के चुनाव आयोग ने कहा है कि उसे चुनाव कराने के लिए सात महीने का समय चाहिए। सो, मान कर चलें कि सात महीने में पाकिस्तान में चुनाव होंगे। उन चुनावों में क्या होगा, यह नहीं कहा जा सकता है। लेकिन यह तय है कि नई सरकार सात महीने में होने वाले संसदीय चुनावों को ध्यान में रख कर ही राजनीति और कूटनीति दोनों करेगी। तीसरे, पाकिस्तान की आंतरिक राजनीति का कूटनीति पर बहुत असर होगा। सेना से टकराव, अफगानिस्तान पर राजनीति, अमेरिका विरोध और रूस-चीन धुरी का समर्थन जैसे मुद्दों पर इमरान की सरकार गई है।

ये सारे मुद्दे अभी खत्म नहीं हुए हैं। चौथे, पाकिस्तान और भारत दोनों की चिंताएं अलग अलग हैं। भारत की चिंता है कि आतंकवाद खत्म हो और इस क्षेत्र में स्थायी शांति बहाल हो तो पाकिस्तान की चिंता है कि कश्मीर मसला निपटे तभी भारत के साथ संबंध सुधार होगा। सो, भारत को बहुत सोच-समझ कर पाकिस्तान के साथ संबंधों में आगे बढ़ना होगा।

चूंकि इमरान खान के कार्यकाल में भारत और पाकिस्तान के संबंध बहुत खराब हो गए थे और संबंध सुधार की कोई पहल नहीं हो रही थी इसलिए ऐसा लग रहा है कि उनके हटते ही दोनों देशों में संबंध सुधार की प्रक्रिया शुरू हो जाएगी, दोनों देशों के बीच कूटनीतिक वार्ता भी शुरू हो जाएगी और स्थायी शांति की दिशा में पहल होगी। लेकिन ऐसा होने का कोई ठोस आधार अभी नहीं दिख रहा है। ध्यान रहे भारत और पाकिस्तान के संबंध इमरान खान के समय जिस मुकाम पर पहुंचे, उसकी शुरुआत नवाज शरीफ के प्रधानमंत्री रहते ही हो गई थी। सोचें, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी तब के पाकिस्तानी प्रधानमंत्री नवाज शरीफ के घर गए थे। उससे पहले उनको अपने शपथ समारोह में भी बुलाया था। लेकिन बदले में क्या मिला था? एक के बाद एक सैन्य प्रतिष्ठानों पर हमले हुए थे। दोनों देशों के बीच सतत चलने वाली वार्ताएं उसी समय स्थगित हो गई थीं, जो इमरान खान के समय भी बंद रहीं।

जहां तक नए प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ की बात है तो वे हमेशा कश्मीर का मुद्दा उठाते रहे हैं। उन्होंने प्रधानमंत्री चुने जाने से पहले और चुने जाने के बाद दो दिन में दो बार यह दोहराया कि भारत के साथ संबंध सुधार तभी संभव है, जब कश्मीर समस्या हल हो। सोचें, कश्मीर समस्या में क्या हल होना है? यह एक ऐतिहासिक तथ्य है कि कश्मीर भारत का अभिन्न और अविभाज्य अंग है। इसलिए कश्मीर समस्या में हल करने जैसा कुछ नहीं है। वहां शांति और लोगों की सुरक्षा भारत का आंतरिक मसला है, जिसे भारत को हल करना है। पाकिस्तान के साथ तो सिर्फ उसके कब्जे वाले कश्मीर के बारे में ही बात होनी चाहिए। फिर बार बार वे क्या कश्मीर मसला हल करने की बात करते हैं? ध्यान रहे प्रधानमंत्री पद की शपथ लेने से पहले कश्मीर की चर्चा का मतलब यह है कि वे अंदरूनी राजनीतिक मजबूरियों से ही निर्देशित होंगे। अगर उनकी पार्टी को अगले चुनाव में जीतना है तो कश्मीर मसला उठाना उनकी मजबूरी है। वे खुद कहते रहे हैं कि 'कश्मीर को अपना बना कर रहेंगे'। सो, तय मानें कि आने वाले दिनों में पाकिस्तान की राजनीति में कश्मीर का बहुत ज्यादा जिक्र होगा। वे जिन तीन पार्टियों के गठबंधन का नेतृत्व कर रहे हैं उनके लिए भी कश्मीर हजार साल लड़ने का मुद्दा रहा है। आसिफ अली जरदारी की पाकिस्तान पीपुल्स पार्टी और मौलना फजलुर्रहमान की पार्टी जमात ए उलेमा ए इस्लाम के समर्थन से वे प्रधानमंत्री बने हैं। कहने की जरूरत नहीं है कि इन पार्टियों का भारत के प्रति क्या रुख रहा है। फजलुर्रहमान कट्टरपंथी नेता हैं। ऊपर से इमरान खान ने भ्रष्टाचार के मामले में कार्रवाई करके तीनों बड़ी विपक्षी पार्टियों को एक कर दिया है। भारत की केंद्रीय एजेंसी ईडी जैसी पाकिस्तानी एजेंसी नेशनल अकाउंटेबिलिटी ब्यूरो यानी नैब का इमरान ने खूब इस्तेमाल किया और कई विपक्षी नेताओं पर शिकंजा कसा। सो, इमरान को रोकने के लिए तीनों पार्टियां साथ ही रहेंगी और तब शरीफ को अपने दोनों सहयोगियों के एजेंडे का भी ख्याल रखना होगा।

प्रधानमंत्री पद की शपथ लेने से पहले कश्मीर की चर्चा का मतलब यह है कि वे अंदरुनी राजनीतिक मजबूरियों से ही निर्देशित होंगे। अगर उनकी पार्टी को अगले चुनाव में जीतना है तो कश्मीर मसला उठाना उनकी मजबूरी है। वे खुद कहते रहे हैं कि 'कश्मीर को अपना बना कर रहेंगे'। सो, तय मानें कि आने वाले दिनों में पाकिस्तान की राजनीति में कश्मीर का बहुत ज्यादा जिक्र होगा। वे जिन तीन पार्टियों के गठबंधन का नेतृत्व कर रहे हैं उनके लिए भी कश्मीर हजार साल लड़ने का मुद्दा रहा है। आसिफ अली जरदारी की पाकिस्तान पीपुल्स पार्टी और मौलना फजलुर्रहमान की पार्टी जमात ए उलेमा ए इस्लाम के समर्थन से वे प्रधानमंत्री बने हैं। कहने की जरूरत नहीं है कि इन पार्टियों का भारत के प्रति क्या रुख रहा है। फजलुर्रहमान कट्टरपंथी नेता हैं। ऊपर से इमरान खान ने भ्रष्टाचार के मामले में कार्रवाई करके तीनों बड़ी विपक्षी पार्टियों को एक कर दिया है।

इमरान खान के प्रधानमंत्री रहते पाकिस्तानी खुफिया एजेंसी आईएसआई के तब के प्रमुख लेफ्टिनेंट जनरल फैज हमीद काबुल गए थे और तालिबान की सरकार का मंत्रिमंडल बनवाने और विभाग बंटवाने में उनकी अहम भूमिका रही थी। खूंखार आतंकवादी संगठन हक्कानी नेटवर्क के सिराजुद्दीन हक्कानी को अफगानिस्तान का गृह मंत्री बनाया गया। पाकिस्तानी सेना ने अब लेफ्टिनेंट जनरल नदीम अंजुम को आईएसआई का प्रमुख बना दिया है लेकिन क्या नई सरकार में पाकिस्तानी सेना और आईएसआई का तालिबान से संपर्क खत्म हो जाएगा? इमरान खान बतौर प्रधानमंत्री उस दिन रूस गए थे, जिस दिन रूस ने यूक्रेन पर हमला किया था। हमलावर राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन के साथ खड़े होकर उन्होंने रूस-चीन की धुरी का समर्थन किया था। अब पाकिस्तान के नए प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ ने भी चीन को सबसे वफादार दोस्त बताया है। सोचें, प्रधानमंत्री पद पर नए व्यक्ति के आने के अलावा पाकिस्तान की राजनीति और कूटनीति में क्या बदला है, जो भारत किसी बदलाव की उम्मीद करे?

ऐसा लग रहा है कि इमरान खान के हटने के बाद अमेरिका के साथ पाकिस्तान के संबंधों में सुधार आ सकता है। शहबाज शरीफ के प्रधानमंत्री चुने जाते ही अमेरिका ने पाकिस्तान के साथ अपने पुराने संबंधों की याद दिलाते हुए अच्छे संबंध की उम्मीद जताई। ध्यान रहे इमरान खान ने अमेरिका से अपने संबंध काफी खराब कर लिए थे। उन्होंने अपनी सरकारी गिरने के लिए सीधे तौर पर अमेरिका को जिम्मेदार ठहराया है। हालांकि अमेरिका इससे इनकार करता रहा है। यह देखना दिलचस्प होगा कि नए प्रधानमंत्री रूस-चीन की धुरी के प्रति वफादारी दिखाते हुए अमेरिका के साथ संबंध कैसे निभाते हैं। पाकिस्तान अभी जिस तरह के आर्थिक संकट में है उसे रूस व चीन नहीं, बल्कि अमेरिका ही निकाल सकता है। अगर शरीफ परिवार अमेरिका से संबंध सुधार करता है तो ऐसी स्थिति में भारत को भी अपनी कूटनीति में कोर्स करेक्शन करना होगा। यूक्रेन पर रूसी हमले के मामले में भारत अपने को तटस्थ दिखाता रहा है लेकिन असल में दुनिया उसे रूस के साथ देख रही है। भारत को यह धारणा बदलनी होगी।

टू प्लस टू वार्ता के लिए अमेरिका गए विदेश मंत्री एस जयशंकर ने इसकी शुरुआत कर दी है। उन्होंने रूस के साथ तेल खरीद बढ़ाने पर सफाई दी। उन्होंने कहा कि भारत जितना तेल रूस से पूरे महीने में खरीदता है, उतना यूरोप एक दोपहर में खरीद लेता है। टू प्लस टू वार्ता से पहले प्रधानमंत्री मोदी की राष्ट्रपति जो बाइडेन से हुई वार्ता भी इस लिहाज से अहम है। सो, भारत अगर अपना रुख बदलता है और पाकिस्तान की कूटनीति में कोई बड़ा शिफ्ट होता है तभी दक्षिण एशिया की राजनीति बदलेगी। भारत को उस स्थिति का इंतजार और उसके लिए तैयारी करनी चाहिए।

उग्रा विघनिना मृध इन्द्राग्नी हवामहे।
ता नो मृळात ईदृशे।।

(ऋग्वेद ६-६०-५)

हम वायु और अग्नि दोनों महा शक्तियों का आह्वान करते हैं कि वो हमारे जीवन के संग्राम में हमें सुख प्रदान करें। हमारे जीवन की नकारात्मकता को दूर करें और हमें सुख समृद्धि प्रदान करें।

We call upon both the great powers, air and fire, to give us happiness in the struggle of our lives. Dispel the negativity from our lives and give us happiness and prosperity.
(Rig Veda 6-60-5)

बद्रीनाथ केदारनाथ मंदिर समिति के अध्यक्ष ने की विस अध्यक्ष से शिष्टाचार भेंट

संवाददाता

देहरादून। बद्रीनाथ केदारनाथ मंदिर समिति के अध्यक्ष अजेंद्र अजय ने आज उत्तराखंड विधानसभा अध्यक्ष ऋतु खंडूडी भूषण से विधानसभा भवन स्थित उनके कार्यालय कक्ष में शिष्टाचार भेंट की। इस दौरान अजेंद्र अजय ने विधानसभा अध्यक्ष को चुनरी ओढ़ाकर एवं प्रसाद भेंट कर शुभकामनाए दी।

इस अवसर पर विधानसभा अध्यक्ष ने आगामी ६ मई से प्रारंभ होने वाली केदारनाथ व बदरीनाथ यात्रा की तैयारियों के संबंध में मंदिर समिति के अध्यक्ष से वार्ता की।

मंदिर समिति अध्यक्ष ने विधानसभा अध्यक्ष को जानकारी देते हुए कहा कि उत्तराखंड में चार धाम यात्रा के लिए इस बार भारी संख्या में श्रद्धालुओं के आने की संभावना है। पिछले २ साल से कोरोना की वजह से उत्तराखंड में चार धाम की यात्रा सुचारू रूप से चल नहीं पाई था। इस लिहाज से राज्य सरकार से लेकर प्रशासनिक अमला चारधाम यात्रा की तैयारी में जुटा हुआ है. ताकि यहां आने वाले श्रद्धालुओं को कोई परेशानी न हो।

विधायक ने पर्यावरण मित्रों का सम्मान किया

नई टिहरी (आरएनएस)। स्वच्छ भारत मिशन विश्व विरासत दिवस पर चंबा ब्लॉक सभागार में आयोजित कार्यक्रम में क्षेत्रीय विधायक ने पर्यावरण मित्रों का सम्मान किया। उन्होंने कहा कि देश के प्रत्येक नागरिक को स्वच्छता में अपना योगदान जरूर देना चाहिए। सोमवार को चंबा ब्लॉक सभागार में स्वच्छ भारत मिशन विश्व विरासत दिवस पर टिहरी विधायक किशोर उपाध्याय ने २० पर्यावरण मित्रों को शॉल ओढ़ाकर उनका सम्मान किया गया। विधायक ने कहा कि पीएम नरेंद्र मोदी द्वारा देश में शुरू किए स्वच्छ भारत मिशन में देश का प्रत्येक नागरिक जुड़कर अभियान को आगे बढ़ाने में लगे हैं, इस अभियान ने अब आंदोलन का रूप ले लिया है। कहा कि अधिकतर बीमारियां गंदगी फैलने से होती है। स्वच्छता अपनाकर हम देश को स्वस्थ और संपन्न बना सकते हैं। देश को स्वच्छ बनाने में पर्यावरण मित्रों का अहम योगदान है। विधायक ने चंबा नगर पालिका की सबिता देवी, नीलम देवी, बीना, सुनिता, राखी, सरोज, शशि, पूजा, सुमन, पायल, माया आदि को शॉल ओढ़कर सम्मानित किया। मौके पर भाजपा जिलाध्यक्ष विनोद रतूड़ी, सुशील बहुगुणा, सभासद विक्रम चौहान, पवन शाह, राजेंद्र डोभाल, हरी प्रसाद सकलानी, विनोद सुयाल, बालकृष्ण भट्ट, सुशील कुमार बहुगुणा, कुशलानंद रणाकोटी, सोहनवीर सजवाण, सचिन सजवाण, रानी नेगी, वीरेंद्र सेमवाल, अनिता कोठारी, खुशपाल रमोला आदि मौजूद थे।

रेलवे प्रभावितों ने 30 अप्रैल तक स्थगित किया धरना-प्रदर्शन

श्रीनगर गढ़वाल (आरएनएस)। रेलवे प्रभावित जनासू, नकोट, दिगोली व अरकणी के ग्रामीणों ने रेल परियोजना व लोक निर्माण विभाग के खिलाफ चल रहे क्रमिक अनशन को उपजिलाधिकारी के आश्वासन के बाद ३० अप्रैल तक स्थगित कर दिया है। ग्रामीणों ने कहा कि अगर प्रशासन द्वारा जल्द सकारात्मक कार्यवाही नहीं की गई तो एक बार फिर ग्रामीण उग्र आंदोलन के लिए बाध्य होंगे। इस संबंध में प्रभावितों ने एसडीएम को ज्ञापन भी सौंपा। रेलवे परियोजना से प्रभावित ग्रामीणों ने रविवार को बिल्वकेदार पुल पर रेलवे के भारी वाहनों की आवाजाही बाधित कर दी थी। साथ ही सड़क डामरीकरण, नालियों के निर्माण समेत अन्य मांगों को लेकर धरना शुरू कर दिया था। जिसके बाद ऋषिकेश–कर्णप्रयाग रेलवे परियोजना के तहत कार्य कर रही एलएंडटी कंपनी के अधिकारियों ने मौके पर पहुंचकर ग्रामीणों को समझाने की कोशिश की, लेकिन ग्रामीण अपनी मांगों पर अड़े रहे। रविवार देर शाम एसडीएम श्रीनगर अजयवीर सिंह की मध्यस्थता में प्रभावितों के साथ बैठक आयोजित की गई। बैठक में प्रशासन द्वारा ग्रामीणों को आश्वासन दिया कि ३० अप्रैल तक नई सड़क की योजना तैयार कर ली जाएगी। जिसके बाद ग्रामीणों ने अपना धरना–प्रदर्शन स्थगित कर दिया। ग्राम प्रधान नकोट ज्योति कोहली, ग्राम प्रधान वैधगांव पुष्पा देवी, संदीप रावत ने बताया कि ग्रामीणों द्वारा सर्वसम्मति से आंदोलन को ३० अप्रैल तक स्थगित करने का निर्णय लिया गया है। कहा यदिर प्रशासन व रेलवे विभाग मांगों को लेकर ३० अप्रैल तक ठोस कार्यवाही नहीं करता है तो सभी प्रभावित आमरण अनशन के लिये बाध्य होंगे।

प्राकृतिक जल स्त्रोतों का संचय करें तो नहीं होगी पानी की किल्लत

संवाददाता

देहरादून। सरकार व प्रशासन पहडों से निकलने वाले प्राकृतिक जल स्रोतों का संचय करे तो प्रदेश में पानी की किल्लत नही हो सकती लेकिन उसके लिए ठोस रणनीति व कार्ययोजना बनाना जरूरी है।

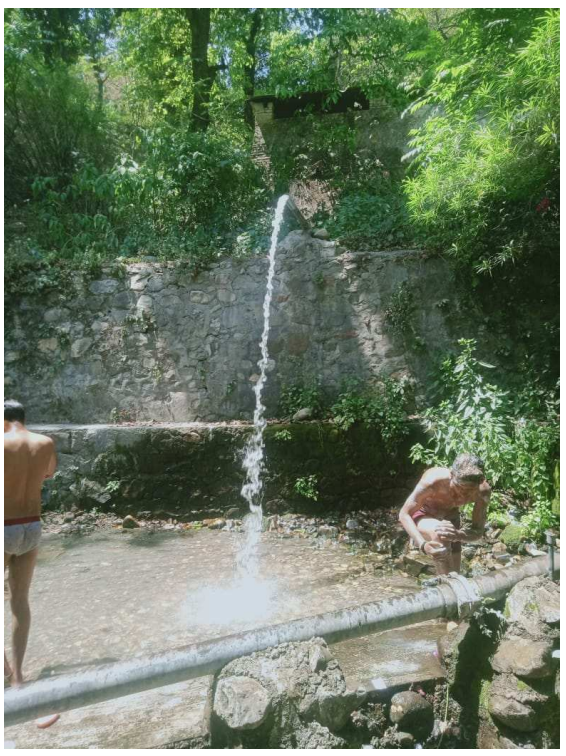

गर्मी की शुरूआत होते ही प्रदेश में पानी के लिए हाहाकार मच जाता है तथा सरकार भी बढती पानी की किल्लतसे परेशान दिखायी देती है। पानी की किल्लत क्यों होती है? जबकि यह प्रत्येक वर्ष होता है कि गर्मी आते ही पानी के लिए तरसने लगते हैं। यह अधिकारियों की अदूरदर्शीता का नतीजा है। जब एक ही समस्या प्रत्येक वर्ष पैदा होती है तो उसपर समय से पहले ही चिन्तन मनन क्यों नहीं शुरू हो जाता है। अधिकारी भी तब जागते हैं जब समस्या सिर पर आकर खडी हो जाती है। जबकि यह समस्या उत्तराखण्ड में पैदा होनी ही नहीं चाहिए। क्योंकि यहां पर प्राकृतिक जल स्रोत इतने हैं कि अगर उनके पानी को समय रहते संचय करना शुरू कर दें तो पूरे प्रदेश में पानी की किल्ल्त पैदा हो ही नहीं सकती है। लेकिन इस तरफ कोई देखने को तैयार नहीं है या फिर देखना ही नहीं चाहते हैं। यह बात नहीं है कि किसी को इस बारे में पता ना हो कि प्रदेश में प्राकृतिक जल स्रोत सैकडों की तादात में है जहां का पानी व्यर्थ ही बहता रहता है। प्रदेश के मुखिया भी पहाडी जनतद से ही तालुक रखते हैं और कुमाऊं में भी पहाडों में सैकडों जल स्रोत उन्होंने भी देखे होंगे तो फिर उस तरफ किसी का ध्यान क्यों नहीं जाता है। जबकि वह पानी स्वास्थ्य के लिए लाभदायक होता हैं। इन प्राकृतिक जल स्रोतों का संचय वहां से किया जाये जहां पर आकर वह पानी गिरता है तब तो यह प्रदेश के किसी काम आयेगा ओर अगर कहीं जहां से वह शुरू होता है वहां पर उसके साथ खिलवाड किया गया तो यह प्राकृतिक से छेडछाड होगी और उसका लाभ किसी को नहीं मिल सकेगा। प्रदेश सरकार को समय रहते अपने यहां के प्राकृतिक स्रोतों को संचय करने की रणनीति बनानी होगी। प्रदेश का पानी और जवानी दोनों को बचाया जा सकता है लेकिन उसके लिए इच्छा शक्ति होनी बहुत जरूरी है। अगर ऐसा नहीं होता है तो वही पुराना राग ही अलापते रहेंगे कि हम अपने पहाड का पानी व जवानी नहीं बचा सके। जबकि सबको पता है पहाडों में बहुत पानी है तथा वहां पर सैकडों ऐसे जल स्रोत है जिनके पानी को व्यर्थ बहने से बचा लिया गया तो एक बहुत बडी समस्या से निजात मिल सकता है।

समस्या निस्तारण के लिए हेल्पलाइन नंबर जारी

पौड़ी (आरएनएस)। जिले में लोगों की सरकारी विभागों से जुड़ी समस्याएं दूर करने के लिए जिला प्रशासन द्वारा एक नई पहल की गई है। मुख्य विकास अधिकारी प्रशांत कुमार आर्य ने बताया कि विकास भवन में स्थित किसी भी सरकारी विभाग से जुड़ी किसी योजना की जानकारी शिकायत को लेकर उनके द्वारा एक हेल्पलाइन नंबर जारी किया गया है। जिस पर आम लोग घर बैठे ही अपनी शिकायतें दर्ज करा सकते हैं। बताया कि दूरस्थ क्षेत्रों से लोगों को पौड़ी आकर अपनी शिकायत दर्ज करानी पड़ती थी जिसको देखते हुए जिला प्रशासन द्वारा हेल्पलाइन नंबर १८० ०१८० ४०५८ जारी किया गया है। कहा कि कोई भी व्यक्ति इस नंबर पर अपनी समस्या से जुड़ी शिकायत दर्ज करा सकता है। साथ ही विभागीय योजनाओं की जानकारी भी प्राप्त कर सकता है।

आदमखोर गुलदार के शिकार को शूटर तैनात

नई टिहरी (आरएनएस)। आंधी और तूफान के चलते बीते दो–तीन दिनों से बिजली चले जाने से परेशान अखोड़ी गांव में बीती देर शाम विद्युत आपूर्ति बहाल हो गई है। गुलदार के अखोड़ी गांव में सात साल के नवीन को निवाला बनाने को लेकर गांव के लोगों ने बिजली न होने को भी इस घटना के जिम्मेदार माना था।

गुलदार को मारने के लिए अभी भी गांव में दो शूटर तैनात हैं। वनकर्मी गश्त लगाकर गुलदार को तलाशने का काम कर रहे हैं। डीएफओ वीके सिंह ने बताया कि बीती देर शाम ही गुलदार को आदमखोर घोषित कर दिया गया था। जिसे मारने के लिए दो शूटर गांव में तैनात कर दिए गए हैं। वन कर्मियों की गश्त बढ़ाकर तेजी से गुलदार को तलाशने का काम किया जा रहा है। आस–पास के गांवों में गुलदार को लेकर सचेत और जागरूक करने का काम भी वनकर्मियों की टीम की मदद से किया जा रहा है। बताया कि अखोड़ी गांव में ७ साल की बच्चे की मौत के बाद पीड़ित परिवार को क्षतिपूर्ति की एक लाख बीस हजार की धनराशि दे दी गई है। शेष २ लाख ८० की राशि कल तक प्रदान कर दी जाएगी। अखोड़ी के जिला पंचायत सदस्य रघुवीर सजवाण ने बताया कि गांव में देर शाम से विद्युत व्यवस्था बहाल हो गई है। बच्चे की मौत के बाद गांव में माहौल गमगीन है। आज सुबह शव दफनाया गया। ग्रामीण आदमखोर गुलदार को जल्द से जल्द मारने की मांग कर रहे हैं। जिसके लिए वन विभाग के कर्मचारी व शूटर इस काम पर लगे हैं।

चोरी के माल सहित दो गिरफ्तार

हमारे संवाददाता

हरिद्वार। हैवल्स कम्पनी के तीन फैन कवर बाक्स चोरी मामले में पुलिस ने दो लोगों को गिरफ्तार कर उनके पास से चुराये गये बाक्स व चोरी में प्रयुक्त वाहन भी बरामद किया गया है।

जानकारी के अनुसार बीती 17 अप्रैल को भूपेन्द्र सिंह पुत्र रणवीर सिंह द्वारा थाना सिडकुल में तहरीर देकर बताया गया था कि 17 अप्रैल को कुलदीप पुत्र होशियार सिंह निवासी बिजनौर हाल रोशनाबाद द्वारा हैवल्स कम्पनी से फैन कवर के बाक्स लेकर ए.आर. कम्पनी में देने थे। लेकिन इस दौरान उसने रास्ते में तीन बाक्स चोरी कर लिये है। सूचना पर कार्यवाही करते हुए पुलिस ने तत्काल मुकदमा दर्ज कर आरोपी की तलाश शुरू कर दी गयी। जिसे पुलिस ने बीती रात एक सूचना के तहत इंद्रलोक तिराहा टैम्पो स्टैण्ड सिडकुल से उसके साथी संजीव पुत्र फूलसिंह निवासी रोशनाबाद सहित गिरफ्तार कर लिया गया है। जिनके पास से पुलिस ने चुराये गये तीनों बाक्स व चोरी में प्रयुक्त वाहन भी बरामद किया गया है। जिन्हे आज न्यायालय में पेश कर जेल भेजा जा रहा है।

बनाए रखना चाहते हैं सफेद रंग के कपड़ों की चमक, धोते वक्त रखें इन बातों का ध्यान

कई लोग होते हैं जिन्हें सफेद रंग के कपड़े पहनना बहुत पसंद होता हैं क्योंकि इनकी चमक आपके लुक को प्रभावित करती हैं। सफेद रंग के कपड़े लाइट महसूस कराने के साथ ही प्रेजेंटेबल लुक भी देते हैं। लोग सफेद रंग के कपड़े पहनते तो हैं लेकिन उनकी सबसे बड़ी चिंता रहती हैं इनपर दाग लगने और चमक खोने की। देखा जाता हैं कि समय के साथ सफेद रंग के कपड़ों की चमक कहीं खो जाती हैं। ऐसे में आपको इसे धोते समय कुछ बातों का ध्यान रखने की जरूरत हैं ताकि इनकी चमक बनी रहे। तो आइये जानते हैं कुछ तरीकों के बारे में कि कैसे आप अपने कपड़ों को सफेद और चमकदार बना सकती हैं।

रंगीन कपड़ों के साथ न करें वॉश

अमूमन घरों में वॉशिंग मशीन (वॉशिंग मशीन में कपड़े धोने के टिप्स) में जब कपड़े धुलते हैं तो हर तरह के कपड़े को एक साथ मशीन में डाल दिया जाता है। रंगीन कपड़े धुलते वक्त थोड़ा बहुत रंग जरूर छोड़ते हैं, ऐसे में अगर मशीन के अंदर सफेद रंग के कपड़े भी मौजूद हैं तो उनमें वह रंग लग सकता है। इसलिए सफेद रंग के कपड़ों को हमेशा अलग से वॉश करें। अगर आप वॉशिंग मशीन में सफेद रंग के कपड़ों को वॉश कर रही हैं तो यूज किए हुए डिटर्जेंट के घोल से न धोएं। यूज्ड डिटर्जेंट में मौजूद गंदगी से भी सफेद रंग के कपड़े खराब हो जाते हैं।

नील का उपयोग करें

यह गंदे व दाग वाले सफेद कपड़ों में एक नीले रंग का स्पर्श प्रदान करता है। जैसा कि हम जानते हैं कि पीला और नीला रंग एक दूसरे के पूरक हैं। जिस कारण नील, सफेद रंग के कपड़ों से पीले रंग के दाग या धब्बों को खत्म करने में मदद करता है और कपड़ों को एक बार फिर चमकदार सफेद और नया जैसा बनाता है। इसे सीधे कपड़ों पर न डालें, इसका इस्तेमाल पानी में मिला कर या फिर वॉशिंग मशीन में डिटर्जेंट के साथ मिलाकर ही उपयोग करें।

कपड़े पर लगे दाग को ज्यादा न रगड़ें

अगर सफेद रंग के कपड़े पर कोई दाग लगा है तो उसे नेचुरली हटाने की कोशिश करें। दाग वाली जगह को ज्यादा रगड़ें नहीं। इससे दाग बेशक हल्का हो जाएगा मगर, कपड़े को ज्यादा रगड़ने से उसके धागे कमजोर हो जाएंगे, जिससे वह जल्दी फट भी सकता है। इतना ही नहीं दाग (कपड़े में लगे दाग हटाने के टिप्स) को ज्यादा रगड़ने से वह और भी फैलने लगता है। आप नींबू या विनेगर की मदद से सफेद रंग के कपड़ों पर लगे दाग को नेचुरली हटा सकती हैं।

ब्लीच का इस्तेमाल सिर्फ कॉटन के कपड़ों में करें

क्लोरीन ब्लीच कुछ कपड़ों को नुकसान पहुंचा सकता है और इसकी वजह से सफेद कपड़ों में पीले व हल्के ग्रे रंग का दाग पड़ सकता है। आप ब्लीच का उपयोग कपास पर सुरक्षित रूप से कर सकते हैं, लेकिन अन्य कपड़ों के लिए इसका उपयोग करने से बचें।

फैब्रिक व्हाइटनर का कम करें इस्तेमाल

बाजार में सफेद रंग के कपड़ों के लिए बहुत सारे फैब्रिक व्हाइटनर आते हैं। इनमें से कुछ ब्लू कलर के होते हैं। अक्सर कपड़ों में ज्यादा सफेदी लाने की कोशिश में लोग ज्यादा फैब्रिक व्हाइटनर का यूज करने लगते हैं। ऐसे में सफेद रंग के कपड़ों पर नीला रंग डॉमिनेट करने लगता है और सफेदी की जगह उनमें नीलापन झलकने लगता है । फैब्रिक व्हाइटनर को 2-3 ड्रॉप से ज्यादा कभी यूज न करें।(आरएनएस)

मैं स्क्रीन पर एक खिलाड़ी की भूमिका निभाना पसंद करुंगी:मृणाल ठाकुर

अभिनेत्री मृणाल ठाकुर, (जिन्हें आखिरी बार कार्तिक आर्यन की फिल्म धमाका में देखा गया था) का कहना है कि वह बड़े पर्दे पर एक खिलाड़ी की भूमिका निभाना पसंद करेंगी। उन्होंने कहा, भारत में, हम महिला एथलीटों पर उतनी फिल्में नहीं बनाते, जितनी उन्हें बताया और बनाया जाना चाहिए। यह महत्वपूर्ण है क्योंकि, हमारी फिल्मों के माध्यम से, महत्वाकांक्षी एथलीटों को प्रोत्साहन मिलता है और उनके लिए एक नई दुनिया खुलती है।

मैं व्यक्तिगत रूप से स्क्रीन पर एक खिलाड़ी का किरदार निभाना पसंद करूंगी। इसके लिए तैयार होना, इसके लिए प्रशिक्षण लेना, यह प्रेरक और बेहद चुनौतीपूर्ण भी है। क्योंकि आप एक ऐसे व्यक्ति को शामिल कर रहे हैं, जिससे आप बहुत दूर हैं और यह मेरे लिए कुछ ऐसा होगा, जो मुझे एक ऐसे किरदार की तैयारी करने, खेलने और उम्मीद से समझने के लिए एक अच्छा अनुभव देगा, जो कि एक व्यक्ति के रूप में उससे बहुत अलग है।

मृणाल अगली बार जर्सी में शाहिद कपूर के साथ दिखाई देंगी।

वैधानिक सूचना

सुविज्ञ पाठकों से आग्रह है कि इस समाचार पत्र में प्रकाशित किसी भी विज्ञापन में दिए गए तथ्यों, शर्तों और दावों के प्रति वह खुद भी आश्वस्त हो लें। पाठकों से आग्रह है कि वह प्रकाशित विज्ञापन से प्रभावित होकर कोई कदम उठाने से पहले अपने स्तर पर भी स्वयं के संतुष्ट होने तक संपूर्ण व्यावहारिक जानकारी कर लें। भविष्य में किसी भी प्रकाशित विज्ञापन में निहित दावों या शर्तों को लेकर पाठकगण को कोई असुविधा या परेशानी होती है तो *सांध्य दैनिक दून वैली मेल* के मुद्रक, प्रकाशक या सम्पादक की कोई जवाबदेही नहीं होगी।

–प्रबंधक विज्ञापन

इन तरीकों से करें लैपटॉप की सफाई, नहीं आएगी कोई खराबी

वर्तमान समय में सभी अपना काम लैपटॉप की मदद से कर रहे हैं और कोरोना काल के दौरान तो इसका चलन और भी बढ़ गया हैं। वर्क फ्रॉम होम हो या पढ़ाई सभी लैपटॉप का इस्तेमाल कर रहे हैं। लेकिन क्या आप जानते हैं कि जिस तरह आप दूसरी सभी चीजों की सफाई करते हैं उसी तरह लैपटॉप को भी साफ़ करने की जरूरत पड़ती हैं। अन्यथा इसमें धूल के कण चिपक जाते हैं जो नमी बढ़ाते हैं और लैपटॉप के अंदरूनी पार्ट्स को खराब कर देते हैं। जिससे कभी-कभी इसकी ऑपरेटिंग में भी प्रॉब्लम आने लगती है। ऐसे में जरूरत होती हैं कि समय-समय पर इसकी सफाई की जाए। आज इस कड़ी में हम आपके लिए कुछ टिप्स लेकर आए हैं जो लैपटॉप की सफाई को आसान बनाने का काम करेंगे। तो आइये जानते हैं इनके बारे में...

स्क्रीन को ना करें पानी से साफ

कुछ लोग स्क्रीन को पानी लगे हुए कपड़े से वाइप करते हैं जबकि ऐसा करना आपके लैपटॉप की स्क्रीन को डैमेज कर सकता है। अगर आप लैपटॉप की स्क्रीन को अच्छी तरह से साफ करना चाहते हैं तो मार्केट में कई तरह के लैपटॉप क्लीनिंग स्प्रे मौजूद हैं जिनका इस्तेमाल स्क्रीन को साफ करने में किया जा सकता है इससे किसी भी तरह का डैमेज नहीं होता है साथ ही साथ यह बहुत ही किफायती भी होते हैं।

माइक्रोफाइबर क्लॉथ का करें इस्तेमाल

अगर आप अपने लैपटॉप को साफ करने के लिए माइक्रोफाइबर क्लॉथ नहीं इस्तेमाल करते हैं और इसकी जगह पर कपड़ा इस्तेमाल करते हैं तो ऐसा करना बंद कर दीजिए क्योंकि नॉरमल कपड़ा आपके लैपटॉप पर स्क्रैच डाल सकता है ऐसे में आप हमेशा इस बात को सुनिश्चित करें कि लैपटॉप पर सिर्फ माइक्रोफाइबर क्लॉथ से ही सफाई करें। कपड़े को फोल्ड करके हल्के हाथ से लैपटॉप के सरफेस और स्क्रीन की डस्ट को साफ़ करें। इसको साफ़ करते वक्त दूसरे हाथ से स्क्रीन को अच्छे से पकड़ लें ताकि स्क्रीन आगे-पीछे मूव न करे। स्क्रीन को पोंछते समय इस पर बिल्कुल भी दवाब न डालें और न ही इस पर लगे धब्बों को खुरचने की कोशिश करें। इससे स्क्रीन को नुक़सान हो सकता है। स्क्रीन की सफ़ाई के लिए किसी भी ग्लास क्लीनर के इस्तेमाल से बचें। आप इसके लिए प्यूरिफाइड वॉटर का यूज़ करें। आप चाहें तो इसकी सफ़ाई के लिए स्क्रीन-क्लीनिंग किट खरीद सकते हैं। जो विशेष रूप से लैपटॉप और कम्प्यूटर स्क्रीन की सफ़ाई के लिए बनी होती है।

कीबोर्ड के लिए पतले ब्रश करें इस्तेमाल

बहुत सारे लोग अपने लैपटॉप के कीबोर्ड को साफ नहीं करते हैं क्योंकि यहां पर ज्यादा जगह नहीं होती है ऐसे में इसे कपड़े से साफ करना मुमकिन नहीं है इस समस्या का समाधान यह है कि आप इसके लिए पतले ब्रश का इस्तेमाल करें जिनसे कीबोर्ड के बीच में फंसी हुई गंदगी आसानी से साफ हो जाती है और इसमें कुछ मिनटों का ही समय लगता है।

की-बॉर्ड की सफ़ाई

इसको साफ़ करने के लिए आप सबसे पहले लैपटॉप को हाथों में लेकर उल्टा करके धीरे-धीरे हिलाते हुए की-बोर्ड में फंसी गन्दगी को झाड़ कर बाहर करें। इस समय स्क्रीन को खुला रखें। इस प्रक्रिया में स्क्रीन गन्दी हो सकती है जिसको आप बाद में पोंछ कर साफ़ कर सकती हैं। अगर आपके पास हैंड वैक्यूम है तो आप कंप्रेस्ड एयर की मदद से इसमें जमी धूल को हटा सकती हैं। ध्यान रखें कि एयर का प्रेशर लो रहे। इसके बाद कॉटन या माइक्रो फाइबर क्लॉथ को प्यूरिफाइड वाटर में गीला कर लें। आप पानी की बजाय रबिंग एल्कॉहल का यूज़ कर सकती हैं। कपड़े को गीला कर लैपटॉप की और की के बीच वाले पार्ट को साफ़ करें। ध्यान रखें कपड़ा स्कीज़ किया हुआ क्योंकि थोड़ा बहुत पानी भी आपके लैपटॉप की-बॉर्ड के स्मूथ फंक्शन को बेकार कर सकता है।

पोर्ट को करें ब्लोअर से साफ

लैपटॉप के चार्जिंग पोर्ट या फिर यूएसबी पोर्ट की सफाई करने के लिए ना तो आप ब्रश का इस्तेमाल करें और ना ही माइक्रोफाइबर क्लॉथ का क्योंकि इससे कोर्ट में किसी तरह की दिक्कत आ सकती है ऐसे में इन्हें साफ करने के लिए ब्लोअर का इस्तेमाल किया जा सकता है जो मार्केट में कम कीमत में उपलब्ध है।

लैपटॉप केस की सफ़ाई

एक बाउल में प्यूरिफाइड वाटर लें और उसमे कुछ बूदें डिश वॉश की मिला लें। एक स्पंज को इसमें भिगोकर अच्छे से निचोड़कर स्पंज की मदद से लैपटॉप केस को चारों तरफ से साफ़ करें। इसके साइड में मौजूद चार्ज़िंग और माउस कनेक्ट पोर्ट को साफ़ करने के लिए ईयरबड का इस्तेमाल करें। इसकी मदद से उसके अंदर मौजूद डस्ट को साफ़ करें। लास्ट में माइक्रोफाइबर क्लॉथ की मदद से पूरे लैपटॉप को दोबारा से साफ़ कर दें।(आरएनएस)

शब्द सामर्थ्य -99

(भागवत साहू)

बाएं से दाएं :

1. पानी, नीर, अंबु 2. आना-जाना, आवागमन 5. बहुत, बढ़िया 6. दूर रहने वाला (घटना) जो वर्तमान में न घट सके 8. अबोध, नासमझ, अनाड़ी 10. सब्जी, शाक 11. निशान, उद्देश्य, अनुमान योग्य वस्तु 12. नाखून 13. द्रव पदार्थ 15. सूनसान, जनविहीन स्थान 16. चटकीला, चमकीला, चटपटा, गौरैया 18. भगवान, खुदा 19. इन दिनों, वर्तमान दिनों में 20. अग्नि, पावक 21. अन्नकण, अनाज का टुकड़ा 22. टालमटोल, बहाने बाजी 24. भैया की पत्नी 25. पांच से छोटी एक विषम संस्था 26. हत्या, कत्ल.

ऊपर से नीचे

1. दुनिया, संसार, ठोस रूप में परिवर्तित करना 2. चमक, पानी 3. बाजीगर, जादू का खेल दिखाने वाला 4. एक पंजाबी प्रेमगीत, रांझा की प्रेमिका 5. मार-काट, खून-कत्ल 7. भूमि, जमीन, भू-भाग 9. बहुत बड़ा दानी, 10. संगीत के सुरों की संख्या 14. लचीला, लोचयुक्त 17. खिसकना, अपने स्थान से हटना, विचलित होना 19. प्रवेश करना, पधारना, आना 20. धूप-दीप से पूजा 22. इसी समय 23. गुस्सा, कहर.

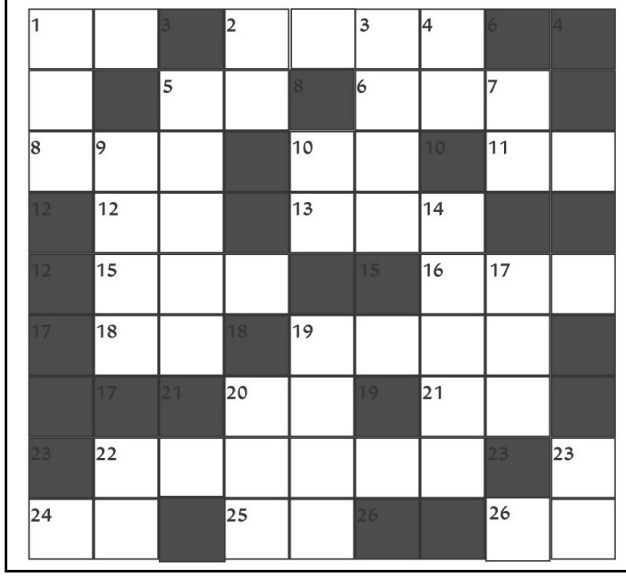

शब्द सामर्थ्य क्रमांक 98 का हल

स्वा	द		सा	म	ना		कै	दी
व		ख	ल	ना	य	क		वा
लं	प	ट		ना	क	क	ट	ना
बी		प				ड़ी		प
	अ	ट	प	टा			शा	न
स	ह		यो			र	ति	
ह	म		द	र	ब	द	र	
म	क	र		सी	ल			
त		क्षा		द	वा	खा	ना	

अयान मुखर्जी ने जारी किया ब्रह्मास्त्र का पहला लव पोस्टर, जमी रहेंगी निगाहें

पिछले 4 सालों से एक-दूसरे के साथ रिलेशन में रह रहे आलिया भट्ट और रणबीर कपूर इन दिनों अपनी शादी को लेकर चर्चाओं में बने हुए हैं। बताया जा रहा है कि यह कपल आगामी 16 अप्रैल को विवाह के बंध में बंधने जा रहा है। इसकी तैयारियाँ जोर-शोर से जारी हैं। शादी की खबरों के बीच दोनों की बहुप्रतीक्षित फिल्म ब्रह्मास्त्र का नया पोस्टर सामने आया है। फिल्म के नए पोस्टर में पहली बार रणबीर कपूर और आलिया भट्ट एक साथ नजर आ रहे हैं। फिल्म के नए पोस्टर में जिस तरह से यह कपल नजर आ रहा है, उसे देखकर आपकी निगाहें दोनों पर टिक जाएंगी।

रणबीर कपूर और आलिया भट्ट की शादी से कुछ दिन पहले अयान मुखर्जी ने ब्रह्मास्त्र का एक लव पोस्टर शेयर किया है। पोस्टर में, रणबीर और आलिया एक अंतरंग क्षण साझा करते हैं और एक-दूसरे के साथ गहराई से प्यार करते हैं। जैसा कि निर्देशक ने अपने इंस्टाग्राम हैंडल पर ब्रह्मास्त्र का नया पोस्टर साझा किया, अयान ने यह भी उल्लेख किया कि इन दिनों हवा में कुछ अतिरिक्त प्यार है। ऐसा लगता है कि अयान ने अप्रत्यक्ष रूप से आलिया और रणबीर की शादी का संकेत दिया, जो 16 अप्रैल, 2022 को होगी।

अपने इंस्टाग्राम हैंडल पर अपने प्रशंसकों और अनुयायियों के साथ पोस्टर साझा करते हुए, अयान मुखर्जी ने पोस्ट को कैप्शन दिया, लव इज द लाइट! भाग एक: शिव वह है जिसे अब ब्रह्मास्त्र का पहला अध्याय कहा जाता है। लेकिन सबसे लंबे समय तक, इसका उपयोग किया जाता है भाग एक होना: प्रेम। क्योंकि इसके मूल में, ब्रह्मास्त्र प्रेम की ऊर्जा के बारे में है। एक प्रेम - जो आग की तरह फैलता है, फिल्म से परे, और जीवन में। तो यह है, हमारा प्रेम पोस्टर! समय सही लगता है यह इन दिनों हवा में कुछ अतिरिक्त प्यार है!) (और इसके साथ, केसरिया, प्रीतम (दादा), अमिताभ भट्टाचार्य, अरिजीत) शिव और ईशा के जादू का एक छोटा सा टुकड़ा। रणबीर और आलिया। प्यार - महानतम एस्ट्रा!

आलिया भट्ट ने रविवार को अपने इंस्टाग्राम अकाउंट पर फिल्म ब्रह्मास्त्र का नया पोस्टर शेयर किया है। इसमें आप देख सकते है कि रणबीर कपूर और आलिया भट्ट एक दूसरे में डूबे नजर आ रहे हैं। वहीं, बैकग्राउंड में गाना बज रहा है। आलिया भट्ट ने पोस्टर शेयर के साथ लिखा है, लव एंड लाइट। फिल्म के इस पोस्टर को फैंस खूब पसंद कर रहे हैं और कमेंट भी कर रहे हैं।

गौरतलब है कि ब्रह्मास्त्र में रणबीर कपूर के किरदार का नाम शिवा है और आलिया भट्ट के किरदार का नाम ईशा है। फिल्म में रणबीर कपूर और आलिया भट्ट के अलावा अमिताभ बच्चन, मौनी रॉय, नागार्जुन अक्किनेनी और डिंपल कपाडिया अहम् रोल में हैं। फिल्म में शाहरुख खान कैमियो रोल में नजर आएंगे। अयान मुखर्जी के निर्देशन में बन रही ये फिल्म 9 सितंबर, 2022 को रिलीज होगी। इस फिल्म में पहला मौका होगा जब ये कपल स्क्रीन स्पेस शेयर करेगा।

सीरीज लंदन फाइल्स में दिखेंगे अर्जुन रामपाल और पूरब कोहली

भले ही थिएटर में रौनक वापस आ गई हो, लेकिन ओटीटी प्लेटफॉर्म के प्रति दर्शकों में दीवानगी कम नहीं हुई है। अब जानकारी सामने आ रही है कि अभिनेता अर्जुन रामपाल वेब सीरीज लंदन फाइल्स में नजर आएंगे। इस सीरीज में उनके साथ अभिनेता पूरब कोहली भी दिखेंगे। यह एक इन्वेस्टिगेटिव थ्रिलर सीरीज है। अर्जुन ने सोशल मीडिया पर इस प्रोजेक्ट का ऐलान किया है। सीरीज के निर्देशन की कमान सचिन पाठक ने संभाली है।

अभिनेता अर्जुन ने अपने ट्विटर हैंडल पर सीरीज का एक टीजर शेयर किया है। उन्होंने अपने पोस्ट में लिखा, यह इन्वेस्टिगेशन एक खतरनाक मोड़ लेने वाली है। खुद को अप्रिय स्थिति के लिए तैयार रखें, क्योंकि जासूस ओम सिंह रहस्यों की एक सुरंग में गोता लगाने के लिए तैयार है। लंदन फाइल्स जल्द आ रही है वूट सेलेक्ट पर। स्ट्रीमिंग प्लेटफॉर्म वूट सेलेक्ट पर यह सीरीज 21 अप्रैल को प्रसारित होगी।

सीरीज के टीजर में गजब का रोमांच देखने को मिला है। इसकी कहानी मीडिया मोगुल अमर रॉय और उसकी बेटी पर आधारित है। इसमें दिखाया जाएगा कि कैसे उनकी बेटी के खो जाने के बाद अर्जुन उसकी खोज शुरू करते हैं। सीरीज में मीडिया मोगुल अमर का किरदार अभिनेता पूरब निभा रहे हैं। वह एंटी इमिग्रेशन बिल का सपोर्ट करते हैं, जिसके कारण उनकी पहचान विभाजनकारी शख्स के रूप में होती है। इस सीरीज में सपना पब्बी, मेधा राणा, गोपाल दत्त, सागर आर्य और ईवा जेन विलिस भी अहम भूमिकाओं में हैं। इसे 6 एपिसोड में बनाया जाएगा। सीरीज को जार पिक्चर्स ने प्रोड्यूस किया है। सीरीज में अर्जुन और पूरब के बीच जबरदस्त जुगलबंदी देखने को मिलेगी। टीजर में दोनों ने अपने लुक से प्रभावित किया है। अब देखना है कि जासूस के रूप में अर्जुन ओम सिंह के कैरेक्टर के साथ कैसा न्याय करते हैं।

अर्जुन के वर्कफ्रंट की बात करें तो उन्हें आखिरी बार अपर्णा सेन की फिल्म द रेपिस्ट में देखा गया था। इसके अलावा वह दिग्गज अभिनेत्री कंगना रनौत की एक्शन फिल्म धाकड़ में अभिनय करते दिखेंगे। फिल्म इसी साल दर्शकों के बीच आने वाली है। वह ऐतिहासिक ड्रामा द बैटल ऑफ भीमा कोरेगांव में भी अपनी उपस्थिति दर्ज कराने वाले हैं। ओह माई गोस्ट में भी उनकी झलक देखने को मिल सकती है। पूरब की बात करें तो वह बॉलीवुड के मझे हुए अभिनेता हैं। वह आने वाले दिनों में अपनी फिल्म ब्लाइंड में नजर आएंगे। इसके अलावा उन्हें एयरलिफ्ट, रॉक ऑन 2 और नूर जैसी फिल्मों के लिए जाना जाता है। (आरएनएस)

शंकर की फिल्म में दोहरी भूमिका निभाएंगे राम चरण

आरआरआर अभिनेता राम चरण दक्षिण भारत के सबसे लोकप्रिय निर्देशक शंकर षणमुगम की फिल्म में नजर आएंगे। यह बताया गया है कि राम चरण फिल्म में दोहरी भूमिका में दिखाई देंगे, जो अभिनेता को दो अलग-अलग भूमिकाओं में चित्रित करेगा। आरआरआर के बाद राम चरण की अगली फिल्म के बारे में सभी अटकलों और प्रचार के बीच, वह जल्द ही शंकर के साथ सेट पर शामिल होंगे।

निर्माताओं ने अमृतसर में एक बैठक आयोजित की है, जिसमें राम चरण भाग लेंगे।

राम चरण दोहरी भूमिका निभाएंगे, जिनमें से एक अधिकारी की भूमिका है, जबकि उनकी दूसरी भूमिका उन्हें एक छात्र के रूप में चित्रित करेगी।

आरसी 15 इस आगामी द्विभाषी राजनीतिक नाटक का कामकाजी शीर्षक है। कहानी पेट्टा फेम कार्तिक सुब्बाराज ने लिखी है, जबकि इसे श्री वेंकटेश्वर क्रिएशन्स के तहत दिल राजू और सिरीश ने प्रोड्यूस किया है।

कियारा आडवाणी फिल्म में राम चरण के साथ नजर आएंगी, जबकि फिल्म में संगीत एस थमन ने दिया है। (आरएनएस)

कुछ अलग करने में मुझे जोश मिलता है:यामी गौतम

दसवी और ए थर्सडे जैसी फिल्मों में अपने अभिनय से धमाल मचाने वाली अभिनेत्री यामी गौतम का कहना है कि उन्होंने कुछ अलग करने की कोशिश की है और एक अभिनेत्री के रूप में ऐसा करने से उन्हें जोश मिलता है। उसी के बारे में बात करते हुए यामी ने कहा, फिल्म (दसवी) में एक हरियाणवी पुलिस वाले की भूमिका निभाने में मुझे बहुत मजा आया और मैं अपने काम को लेकर मिली शुरूआती प्रतिक्रिया से खुश हूं। मेरा परिवार, मेरी टीम और कुछ दोस्त, जिन्होंने कुछ दिन पहले मेरे साथ अपनी राय के बारे में हमेशा ईमानदार रहते हैं और मुझे खुशी है कि वे पूरी फिल्म में मेरे किरदार से मजबूती से जुड़े रहे।

अब, मैं यह सुनने के लिए उत्साहित हूं कि दर्शकों का इसके बारे में क्या कहना है। मैंने कुछ बहुत अलग करने का प्रयास किया है और एक अभिनेत्री के रूप में, मुझे ऐसा करने से मेरी एड्रेनालाईन रश (जोश) मिलता है।

यामी के पास ओएमजी 2, धूम धाम और कुछ और अघोषित परियोजनाएं हैं।(आरएनएस)

हीरोपंती 2 के लिए साजिद नाडियाडवाला ने लगाई बड़े एक्शन निर्देशकों की लाइन

अभिनेता टाइगर श्रॉफ आने वाले दिनों में कई बड़ी फिल्मों में अपनी मौजूदगी दर्ज कराएंगे और हीरोपंती 2 भी उनकी आगामी बहुप्रतीक्षित फिल्मों में से एक है। फिल्म से जुड़ीं आए दिन नई-नई जानकारियां सामने आ रही हैं। अब खबर है कि हीरोपंती 2 को और भव्य बनाने के लिए साजिद नाडियाडवाला ने इसमें बड़े एक्शन निर्देशकों को हायर कर लिया है, ताकि टाइगर के एक्शन और प्रभावी लगें।

हीरोपंती 2 की यूएसपी एक्शन ही है, इसलिए साजिद फिल्म को बेहतर बनाने में कोई कोर कसर नहीं छोड़ रहे हैं। साजिद ने स्टारशिप ट्रूपर्स, हर फेम मो फैसल, ब्रह्मास्त्र और वॉर का हिस्सा रहे परवेज शेख को इसका हिस्सा बनाया है। बागी 2 और बागी 3 के एक्शन डायरेक्टर केचा खम्फकदी, चैत्रदा चंद्रमा के एक्शन डायरेक्टर राम लक्ष्मण समेत कुछ दूसरे बड़े एक्शन निर्देशकों को भी फिल्म के एक्शन दृश्यों पर काम करने के लिए हायर किया गया है।

फिल्म में टागइर का धांसू अवतार देखने को मिलेगा। वह अपने एक्शन दृश्यों से दर्शकों को हैरान कर देंगे। साजिद एक्शन के मामले में इस फिल्म को एक अलग ही स्तर पर ले जाना चाहते हैं, इसलिए उन्होंने फिल्म के लिए मशहूर एक्शन निर्देशकों को हायर किया है ताकि इसमें दर्शकों को कुछ ऐसे एक्शन सीक्वेंस और स्टंट देखने को मिले, जो उन्होंने पहले कभी ना देखे हों। टाइगर ने भी फिल्म में इसके लिए कड़ी ट्रेनिंग ली है।

फिल्म हीरोपंती 2 में टाइगर की जोड़ी तारा सुतारिया के साथ बनी है। यह फिल्म हीरोपंती की सीक्वल है। इस फिल्म से कृति सैनन के साथ टाइगर ने भी बॉलीवुड में अपने एक्टिंग करियर की शुरुआत की थी। हीरोपंती के निर्देशक सब्बीर खान थे, लेकिन दूसरे पार्ट का निर्देशन अहमद खान कर रहे हैं। फिल्म के संगीत की जिम्मेदारी एआर रहमान को सौंपी गई है। फिल्म 29 अप्रैल यानी ईद के मौके पर रिलीज होने वाली है।

हीरोपंती 2 ईद के खास मौके पर सिनेमाघरों में अकेले दस्तक नहीं देगी, बल्कि इस फिल्म के साथ अजय देवगन की फिल्म रनवे 34 भी दर्शकों के बीच आएगी। यह थ्रिलर ड्रामा फिल्म भी 29 अप्रैल को सिनेमाघरों का दरवाजा खटखटाने के लिए तैयार है।

साजिद आजकल एकसाथ कई फिल्मों पर काम कर रहे हैं। वह जहां एक तरफ सलमान खान के साथ फिल्म कभी ईद कभी दिवाली के काम में व्यस्त हैं, वहीं कार्तिक आर्यन को लेकर भी एक फिल्म बना रहे हैं, जिसका नाम पहले सत्यनारायण की कथा रखा हुआ था। किक 2 भी साजिद के खाते से जुड़ी है। यह सलमान खान की बहुप्रतीक्षित फिल्मों में से एक है। साजिद कॉमेडियन कपिल शर्मा के साथ भी एक फिल्म लेकर आने वाले हैं। (आरएनएस)

भारत की श्रीलंका, पाक जैसी नहीं बल्कि अफ्रीकी देश जैसी दुर्दशा!

हरिशंकर व्यास

इसलिए क्योंकि श्रीलंका और पाकिस्तान 1947 से नस्ल के कोर मिशन में बुने हुए हैं। इन दोनों देशों ने कई संकट देखें, लोगों का विद्रोह हुआ लेकिन आबादी की बुनावट में एक देश, जहां इस्लाम के मिशन में हजार साल घास खाने की कसम खाए हुए हैं वहीं श्रीलंका के सिंहली आधुनिक बौद्ध जीवन का स्थायी मकसद बनाए हुए हैं। भंडारनायके परिवार, जयवर्धने, प्रेमदासा और राजपक्षे परिवार कोई भी नेता परिवार व पार्टी वहां विचारधारा, मध्य मार्ग के किंतु-परंतु में नहीं रही। जैसे कि भारत और भारत के नेता तथा प्रजा 75 वर्षों से जीती आई है। तभी इतिहास दृष्टि में सौ साल बाद भारत का सार यह लिखा हुआ होगा कि लोगों के संघर्ष या मौके से 1947 में जब आजादी मिली तो उससे देश में काले अंग्रेज पैदा हुए। इन अंग्रेजों ने माई-बाप सरकार के मॉडल में लोगों को ऐसा लूटा, भ्रष्टाचार व नैतिक पतन में ऐसा मारा कि 75 साल बाद के अमृत वर्ष के वक्त 11० करोड़ लोग पांच किलो फ्री राशन, खैरातों से पेट भरते हुए थे! 1975-77 में पब्लिक जागी, जेपी की संपूर्ण क्रांति हुई तो क्रांति के बजाय लालू, रामविलास, नीतीश पैदा हुए। जातियों के अणु बम में हिंदू और खंड-विखंडित। सन् 2०14 में हिंदू जागृति आई तो वे नरेंद्र मोदी पैदा हुए, जिनकी सत्ता का मिशन पानीपत की तीसरी लड़ाई और 1942 के जिन्ना के इस सपने को पूरा करना कि हर जिले में एक हिंदुस्तान और एक पाकिस्तान!

ऐसी बिखराव वाली रियलिटी में अफ्रीका के कई देश जीते आए हैं। इसका अर्थ यह नहीं कि अफ्रीका आज भारत से गया गुजरा या अंधी गुफा है। नहीं, अफ्रीकी देश जिस तेजी से पिछले 25 वर्षों में बदले हैं वह अद्भुत है। दक्षिण अफ्रीका गोरों-कालों में सामंजस्य बना मजे से आगे बढ़ते हुए है। इसे देखना-समझना हो तो बीबीसी जैसे अंतरराष्ट्रीय टीवी चैनलों को देखा करें। हर वैश्विक चैनल अफ्रीका पर रेगुलर प्रोग्राम लिए (भारत व दक्षिण एशिया का मतलब ही नहीं। यदि दुनिया में भारत पर कोई प्रोग्राम दिखता भी है तो मांस की दुकानों जैसे विवादों, बदहाल पर्यावरण, प्रदूषण, गरीबी, अंधविश्वास आदि, आदि पर होगा) मिलेगा। अफ्रीका में देख कर हैरानी होती है कि घाना इतना बदल रहा। केन्या, केन्याटा के वक्त से इतना आगे निकल गया।

वहीं भारत? अपना भविष्य अफ्रीकी देशों के उन मॉडल की और ले जाता हुआ, जहां प्रधानमंत्री की सत्ता भूख और नस्ली-जातीय हिंसा से गृहयुद्ध अनुभव लगातार है। मैं चालीस वर्षों से जिम्बाब्वे और इथियोपिया पर गौर करते हुए हूं। जिम्बाब्वे के रोडेशिया वक्त से ले कर इथियोपिया के हेले सिलासी के समय से वर्तमान के सफर में जो बरबादी है, लोग जैसे भूखे मरते हुए जीते हैं, वह जिम्बाब्वे में केवल एक नेता की सत्ता भूख से पैदा हुई। ऐसे ही इथियोपिया में लोगों का नस्ली झगड़ों में गृहयुद्ध ऐसा पकता गया कि कभी इरिट्रिया, कभी टाइग्रे, कभी ओरोमो का सिलसिला अनवरत है। समझ नहीं आता कि वहां के नेता और प्रजा अपने इतने प्राचीन मुल्क का करना क्या चाहते हैं? अफ्रीका के ये बरबाद देश (याकि 875 डॉलर प्रति व्यक्ति जीडीपी से लेकर दो हजार डॉलर के बीच और भारत का यथार्थ कोई दो हजार डॉलर प्रति व्यक्ति जीडीपी पर ही) भरपूर खनिज, संसाधान और प्राकृति सौंदर्य के बावजूद नेता व प्रजा की मूर्खताओं का परिणाम हैं। प्रति व्यक्ति जीडीपी के दस बॉटम अफ्रीकी देशों में बुरूंडी (771 डॉलर), सोमालिया (875 डॉलर), मध्य अफ्रीकी गणतंत्र (98० डॉलर), कांगो (1131 डॉलर), नाइजर (1263 डॉलर), मोजांबिक (1297 डॉलर), लाइबेरिया (1428 डॉलर), मालावी (1568 डॉलर), मेडागास्कर (1593 डॉलर), चाड (16०3 डॉलर) नेता और प्रजा की साझा मूर्खताओं के नतीजे हैं।

भारत में आम धारणा है कि अफ्रीका के सभी देश भारत से पिछड़े हुए हैं। मगर नोट रखें कि दक्षिण अफ्रीका देश की प्रति व्यक्ति जीडीपी भारत से ढाई गुणा अधिक 5,41० डॉलर है। भारतीय मूल बहुल मॉरीशस में यह 1०,23० डॉलर है तो अंगोला और घाना भी भारत से ज्यादा प्रति व्यक्ति जीडीपी लिए हुए हैं। नोटबंदी के बाद की दिशा है कि भारत अब ऊपर याकि अंगोला व घाना की तरह बढ़ता हुआ नहीं है, बल्कि आंकड़ों में खेला करते हुए भी चुपचाप खोखला होता हुआ, नीचे गिरता हुआ चाड और मालावी देशों की श्रेणी में जाता हुआ है। यदि भारत का मौजूदा चाल-चलन अगले 15-2० वर्षों में जस का तस रहा, पानीपत की तीसरी लड़ाई में बुलजोडर से खाइयां गली-मोहल्लों पहुंचती गई तो तय मानें भारत अफ्रीका के गृहयुद्ध वाले देशों से अधिक बरबाद होगा। ऐसा पाकिस्तान और श्रीलंका में नहीं होगा क्योंकि वहां के लोग अशांत, आंदोलित और तख्ता पलटने वाला धमाल चाहे जैसा बनाएं लेकिन वे आपस में लड़ने और हिंदुओं की तरह अपने हाथों अपने पांवों कुल्हाड़ी मारने वाले नहीं हैं।

यूक्रेनः मोदी पहल क्यों न करें?

वेद प्रताप वैदिक

संयुक्तराष्ट्र संघ की महासभा ने रूस को अपनी मानव अधिकार परिषद से निकाल बाहर किया है। उसके 193 सदस्यों में से 93 सदस्यों ने रूस के निष्कासन के पक्ष में वोट दिया और 24 ने विरोध में ! 58 सदस्य तटस्थ रहे, जिनमें भारत भी शामिल है। रूस के पहले सिर्फ लीब्या को इस परिषद से निकाला गया था लेकिन लीब्या रूस की तरह सुरक्षा परिषद का स्थायी सदस्य नहीं था। रूस का निकाला जाना अपने आप में एतिहासिक घटना है। वैसे मानव अधिकारों के उल्लंघन में अमेरिका और चीन ने भी रिकार्ड कायम किए हैं लेकिन यूक्रेन में जिस तरह का नरसंहार चल रहा है, वैसा द्वितीय महायुद्ध के बाद कहीं देखा नहीं गया। दुनिया के कई देश, खास तौर से अमेरिका से जुड़े हुए उम्मीद कर रहे थे कि भारत कम से कम इस बार तटस्थ नहीं रहेगा। वह रूस के विरुद्ध वोट करेगा।

अमेरिकी विदेश मंत्रालय के एक बड़े अधिकारी ने कल-परसों यह भी कह दिया था कि देखे कि मानव अधिकार परिषद में भारत का वोट किधर पड़ता है। उसे रूस का विरोध करना ही चाहिए। यदि अब वह तटस्थ रहता है तो उसका असर भारत-अमेरीकी संबंध पर जरुर पड़ेगा। भारत ने अन्य दर्जन भर मतदानों की तरह इस मतदान में भी तटस्थता बनाए रखी लेकिन कोई यह नहीं कह सकता कि यूक्रेन के नरसंहार पर उसने आंख मींच रखी है। अंतरराष्ट्रीय मंचों तथा भारतीय संसद में भी भारत सरकार कई बार कह चुकी है कि वह यूक्रेन में युद्ध बिल्कुल नहीं चाहती। वह हिंसा और दबाव के बजाय बातचीत से सारे मामले को शांतिपूर्वक हल करवाना चाहती है। वास्तव में बूचा में हुए नरसंहार की उसने जांच की मांग की है। ऐसी मांग करनेवाला भारत पहला राष्ट्र है। संयुक्तराष्ट्र में भारतीय प्रतिनिधि टीएस तिरुमूर्ति ने यूक्रेन में चल रहे रक्तपात पर गहरा दुख भी व्यक्त किया है। असलियत तो यह है कि अमेरिका और यूरोपीय राष्ट्र यूक्रेन पर शुद्ध जबानी जमा-खर्च कर रहे हैं। उसकी वे खुलकर सुरक्षा का कोई प्रबंध नहीं कर रहे हैं। इसके कारण रूस का क्रोध प्रतिदिन उग्र होता जा रहा है।

यदि ये पश्चिमी राष्ट्र यूक्रेन को पानी पर नहीं चढ़ाते तो रूसी आक्रमण की ये नौबत ही क्यों आती? रूस के विरुद्ध इन प्रस्तावों और मतदानों का पूतिन पर क्या असर पड़ रहा है? कुछ नहीं! यूक्रेन के वोलोदोमीर झेलेंस्की ने ठीक ही कहा है कि संयुक्तराष्ट्र संघ अगर कुछ नहीं कर सकता तो उसे भंग क्यों नहीं कर दिया जाना चाहिए? उन्होंने नाटो और अमेरिका की अकर्मण्यता को भी जमकर रेखांकित किया है। इस समय भारत का रवैया अत्यंत व्यावहारिक और तर्कसंगत है लेकिन वह अत्यंत सीमित है। उसके अफसर यद्यपि जो कुछ बोल रहे हैं, ठीक बोल रहे हैं लेकिन उनसे ये आशा करना उचित नहीं है कि वे पूतिन और झेलेंस्की के बीच मध्यस्थता कर सकते हैं या उनके बयानों का इन दोनों नेताओं पर कोई असर पड़ सकता है। यह भारत के लिए पहल का एकदम सही मौका है। बाइडन और पूतिन, दोनों के साथ भारत का बराबरी का संबंध है। यदि भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पहल करें तो निश्चय ही बाइडन, पूतिन और झेलेंस्की उनकी बात सुनेंगे, क्योंकि इस मामले में भारत का अपना कोई स्वार्थ नहीं है।

सू- दोकू क्र. 99

	6	3		8		1		4
8			3		4		7	
	4			5		8		
3		8			1		4	
	1			4		9		7
		4			2		1	
1				3		4		8
	8		2		9		3	
		9		1		2		5

नियम

1. कुल 81 वर्ग है,जिसमें 9वर्गो का एक खंड बनता है।
2. हर खाली वर्ग में 1से 9 के बीच का कोई एक अंक भर सकते है।
3. बाएं से दाएं और उपर से नीचे के प्रत्येक कालम,कतार और खंड में 1से9अंक में से किसी भी अंक का इस्तेमाल एक बार ही कर सकते है।

सू-दोकू क्र.98का हल

6	7	9	2	4	5	3	1	8
2	1	8	3	7	6	9	5	4
7	6	4	5	2	8	1	3	9
3	8	1	6	9	7	2	4	5
9	2	5	4	1	3	8	6	7
8	3	7	9	6	4	5	2	1
5	4	2	8	3	1	7	9	6
1	9	6	7	5	2	4	8	3
4	5	3	1	8	9	6	7	2

गडकरी अकेली संभावना!

हरिशंकर व्यास

संघ परिवार, भाजपा और हिंदू भारत के बरबाद भविष्य पर एक नेता से फुलस्टॉप संभव है। इस शख्स का नाम है नितिन गडकरी। मुझे गडकरी से मिले, उनके साथ गपशप किए सालों हो गए हैं। मैंने गडकरी को दूर से अधिक ऑब्जर्व किया है। बावजूद इसके मेरी धारणा तब-तब हमेशा सही साबित हुई जब सुना कि उन्होंने नोटबंदी को घातक बताया। वे नरेंद्र मोदी और अफसरों की परवाह नहीं करते। उन्हें काम चाहिए। वे संघ की जरूरतों का पेट भरते हैं न कि अपना। वे कैबिनेट में बोलते हैं और सत्तावान हिंदुओं, दरबारियों की भीड़ में अकेले मर्द हैं। वे नसीहत देते हैं कि कांग्रेस और विरोधी भी भारत के हिंदू हैं। बिना विपक्ष के भारत और लोकतंत्र जिंदा नहीं रहेगा, भारत का भविष्य नहीं बनेगा। किसी नेता की सफलता चुनावी जीत से, अपनी पूजा करवाने से नहीं, बल्कि देश को बनाने से बनती है। और हिम्मत हो तो निकाल बाहर करें। पिछले दिनों जब कांग्रेस के नेताओं को उन्होंने यह नसीहत दी की जीत-हार होती रहती है मगर अपनी पार्टी में रहो। पार्टी को बनाओ क्योंकि लोकतंत्र और देश की जरूरत में एक राष्ट्रीय विकल्प होना चाहिए तो सचमुच मन में इच्छा हुई कि गडकरी से मिल कर उनको उनकी समझ के लिए गुलदस्ता दिया जाए!

लेकिन कोरोना काल से मिजाज क्षेत्र संन्यास सा बना हुआ है। दूसरे, मुझे दिखता हुआ है कि हिंदुओं की नियति वहीं है जो इतिहास है। इसलिए इतिहास की दृष्टि में

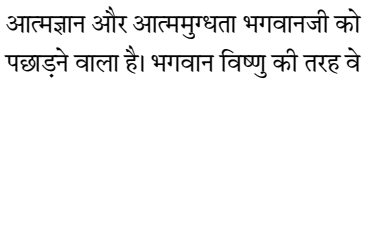

रमो न कि रोजमर्रा के प्रायोजित नैरेटिव में। तभी इस चर्चा पर खोजी कौतुक नहीं बना कि किसी कैबिनेट मंत्री ने नागपुर के एक अखबार के खबरनवीसों के साथ बैठकर बताया कि उसके साथ 25० सांसद हैं। मगर वह क्योंकि स्वंयसेवक है, अनुशासित है इसलिए मर्यादित है। मगर वह कैबिनेट में बोलते हैं। प्रधानमंत्री को ईडी और सीबीआई आदि एजेंसियों के दुरूपयोग पर चेताया है। इस पर नरेंद्र मोदी ने ज्ञान दिया कि वे इसी तरह के उपयोग से गुजरात में सफल हुए और उस राज कर नाम हुआ और वे तो प्रधानमंत्री बन गए।

हिंदुओं पर राज का यह गुरूमंत्र दरअसर हिंदुओं का सत्व-तत्व है। तभी वे 12 सौ साल गुलाम रहे और दासता का वैसा ही जीवन जीया जैसा आधुनिक काल में भी ईडी, सीबीआई जैसे डंडों, पूजा, भय, भयाकुलता से नरेंद्र मोदी पूजनीय अवतार हैं।

उस नाते नरेंद्र मोदी का ज्ञान, आत्मज्ञान और आत्ममुग्धता भगवानजी को पछाड़ने वाला है। भगवान विष्णु की तरह वे सत्ता के शेषनाग पर परम संतोष से शयन करते, चरण दबाते उनके धनसेठ, और लोगों की मुग्धता, तालियों के परम सुख से परमानंद अवस्था में। उनकी मुखमुद्रा, उनके श्वेत ऋषि केश, पोर-पोर से झलकता-खनकता पॉवर इक्कीसवीं सदी के हिंदुओं का वह भाग्य है तो पृथ्वी के शेष मानव समाज के लिए पहेली। पूरा भारत मानो एक मंदिर और उसके गर्भगृह में सत्ता के शेषनाग पर विराजे नरेंद्र मोदी और आशीर्वाद में पांच-पांच किलो अनाज-नमक की थैली प्राप्त करते हुए भक्त! पूरी लीला को सजाए स्वंयसेवकों का स्वयंस्फूर्त प्रबंधन।

अब ऐसा है तो किसी एक स्वयंसेवक की भड़ास का क्या अर्थ? नितिन गडकरी कुछ नहीं कर सकते। भले 25० सांसदों या स्वंयसेवकों का संगठन उन पर फिदा हो। वे मन में कुछ भी बड़बड़ाएं, वे संभावना नहीं बन सकते हैं। उन्हें सत्ता का धंधा नहीं आता है। देश की फाल्टलाइन को बुलडोजरों से चौड़ा करना नहीं आता है। वे हिंदू बनाम मुस्लिम नहीं कर सकते। वोट नहीं खरीद सकते और सबसे बड़ी बात हिंदुओं को भयाकुल, सीबीआई, ईडी से डराने, मर्यादाओं का चीरहरण नहीं कर सकते। इसलिए महाराज गडकरीजी अपने मनमौजी स्वभाव के स्वांत सुखाय में जीते रहिए! अपने ईर्द-गिर्द के नामर्द-यथास्थितिवादियों से समझते रहिए!

नर्सिंग संवर्ग कर्मचारियों अनिश्चित कालीन धरने पर बैठे

संवाददाता

देहरादून। एम्स से 130 नर्सिंग सवर्ग के लोगों की सेवा समाप्त किये जाने के विरोध में नर्सिंग संवर्ग ने गांधी पार्क में अनिश्चित कालीन धरना देकर महानिदेशक चिकित्सा स्वास्थ्य व परिवार कल्याण को ज्ञापन भेजा

आज यहां सभी 130 नर्सिंग सवर्ग के कर्मचारी गांधी पार्क पर एकत्रित हुए जहां पर उन्होंने धरना दिया। उनका कहना था कि कोरोना महामारी के चलते राज्य सरकार द्वारा संचालित आरजेएसआर एमवी सी कोविड सेंटर ऋषिकेश में राज्य सरकार के निर्देश पर एम्स द्वारा 130 नर्सिंग संवर्ग के कर्मचारी की भर्ती की गय जिनको छह माह बाद नवम्बर 2021 में कुछ समय के लिए सेवा समाप्त के पश्चात पुन: नियुक्त कर लिया गया तथा कोरोना की दूसरी और तीसरी लहर में अपनी पूर्ण सेवा आमजन के स्वास्थ्य के लिए प्रदान की गयी ओर लगातार करते आ रहे हैं। उन्होंने कहा कि नर्सिंग संवर्ग की पुन: नियुक्ति के समय सरकार द्वारा कोई कार्यक्रम तय नही की गयी ओर अब बिना किसी पूर्व सूचना अचानक से उनकी सेवायें समाप्त की जा रही है एवं इसके चलते सभी 130 नर्सिंग संवर्ग कर्मचारी मानसिक और आर्थिक तनाव से ग्रसित हो रहे हैं। उन्होंने कहा कि उनका सरकार द्वारा संचालित किसी भी स्वास्थ्य सेवाओं में शामिल किया जाये।

सिटी बस दुकान में घुसी

देहरादून (संवाददाता)। सिटी बस बिजली के खम्बे से टकराती हुई दुकान में घुस की। पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी। प्राप्त जानकारी के अनुसार मोथरोवाला निवासी प्रदीप पाल ने नेहरू कालोनी थाने में मुकदमा दर्ज कराते हुए बताया कि एक सिटी बस जिसका बस संख्या यूके 07 पीए-०३४८ के चालक के द्वारा बस काफी तेजी व लापरवाही से चलाई जा रही थी जो अनियंत्रित होकर पहले बिजली के पोल से टकराती हुई उसकी दुकान में घुस गई जिससे उसका काफी नुकसान हो गया है जब उसने व क्षेत्रवासियो ने ड्राईवर व कन्डकटर को पकडा तो दोनो नशे की हालत में प्रतीत हो रहे थे हमने तत्काल पुलिस को सूचित किया पुलिस मौके पर पहुँची और दोनों को लेकर चौकी पहुँची जहा पुलिस के कहने पर कुछ क्षेत्रवासी और वह भी चौकी पहुँचे जहाँ पर पहुँच कर सभी लोग बैठे थे तो अचानक चालक और परिचालक के द्वारा हमारे एक क्षेत्रवासी चन्द्रशेखर भट्ट पर हमला कर दिया जिससे वे घायल हो गये। पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी।

मारपीट में एक नामजद

संवाददाता

देहरादून। मारपीट कर घायल करने के मामले में पुलिस ने एक के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी। प्राप्त जानकारी के अनुसार पौंधा निवासी श्रीमती अन्नू पत्नी रूप सिंह ने प्रेमनगर थाने में मुकदमा दर्ज कराते हुए बताया कि गत दिवस वह अपने पति साथ रात्रि आठ बजे घर की तरफ जा रही थी तभी रास्ते में राहुल कुमार पुत्र केवल राम निवासी ग्राम पौधा नें मेरे पति पर चाकू व पंच से हमला कर दिया तथा मुँह पर चाकू मारा जिससे मेरे पति के गले मुंह पर गम्भीर चोट लगी । राहुल कुमार मेरे पति को जान से मारने की नियत से चाकू से वार किये है तथा मुँह और कमर पर पंच मारकर गम्भीर रूप से घायल कर दिया । उसने जब अपने पति की जान बचानी चाही तो राहुल ने बदनियती से पकड़ लिया। पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी।

सड़क सुरक्षा व जागरूकता को लेकर 'उत्तराखण्ड ट्रैफिक वालयिंटर' का शुभारम्भ

हमारे संवाददाता

देहरादून। यातायात निदेशालय, उत्तराखण्ड द्वारा चलायी जा रही स्कीम 'उत्तराखण्ड ट्रैफिक वालंटियर' का शुभारम्भ आज पुलिस महानिदेशक उत्तराखण्ड अशोक कुमार द्वारा रिजर्व पुलिस लाईन, देहरादून के सभागार में आयोजित किया गया।

सड़क सुरक्षा जागरूकता को लेकर चलाये जा रहे इस स्कीम की शुरूआत जनपद देहरादून में पायलट प्रोजेक्ट के अन्तर्गत सर्वप्रथम की जा रही है। जनपद देहरादून में ऑनलाईन, ऑफलाईन के माध्यम से 167 वालयिंटर द्वारा यातायात निदेशालय में पंजीकरण कराया गया है।

कार्यक्रम में इसके अतिरिक्त उत्तराखण्ड ट्रैफिक आईस एप एवं ई-चालान का प्रयोग कैसे करें के लिए बने ब्रोसर का विमोचन भी मुख्य अतिथि पुलिस महानिदेशक उत्तराखण्ड अशोक कुमार द्वारा किया गया है।

उत्तराखण्ड ट्रैफिक वालयिंटर का दो दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम भी आज से उदघाटन के बाद शूरु कर दिया गया है। कार्यक्रम की शुरूआत आज सुबह 10. 15 बजे डीजीपी अशोक कुमार द्वारा की गयी। इस अवसर पर पुलिस के आलाधिकारियों सहित कई लोग मौजूद रहे।

आजादी के अमृत महोत्सव के उपलक्ष्य में स्वास्थ्य मेले का आयोजन

विशेष संवाददाता

मुनस्यारी। सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र मुनस्यारी ने आजादी के अमृत महोत्सव के उपलक्ष्य में वृहद स्वास्थ्य मेले का आयोजन किया। आज इसका उद्घाटन जिला पंचायत सदस्य जगत मर्तोलिया द्वारा फीता काटकर तथा दीप प्रज्वल्लित कर किया गया।

इस अवसर पर जगत मर्तोलिया ने कहा कि स्वास्थ्य मेले में एक ही स्थान में सभी सुविधाएं निशुल्क रोगियों को प्राप्त हो रही है। उन्होंने सभी चिकित्सा अधिकारियों को मुनस्यारी जैसे विषय भौगोलिक क्षेत्रो में सेवा देने के लिए उनका आभार जताया। साथ ही पूरा विश्वास दिया कि वह सदैव स्वास्थ्य अधिकारियों एवं कर्मचारियों के सुख-दुख में साथ खड़े रहेंगे। इसके लिए उत्कृष्ट कार्य करने वाले स्वास्थ्य कर्मियों तथा डाक्टरों को सम्मानित किया जाएगा।

उद्घाटन सत्र में विशिष्ट अतिथि सामाजिक कार्यकर्ता, मीडिया कर्मी प्रमोद द्विवेदी द्वारा संबोधन किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता प्रभारी चिकित्साधिकारी डा गौरव कुमार द्वारा की गयी। इस अवसर पर उन्होंने आजादी के अमृत महोत्सव के तहत आयोजित ब्लांक स्तरीय स्वास्थ्य मेले के माध्यम से उपलब्ध स्वास्थ्य सेवाओं की जानकारी दी गयी। चिकित्साधिकारी डां केएस आकोटी , डां शेलजा, डां रासीद,डां अहमद राजा, डां मनोज सिंह जंगपांगी, बीपीएम प्रताप सिंह बिष्ट, बीएएम गणेश भाकुनी सहित तमाम स्वास्थ्य कर्मियो के द्वारा मुख्य अतिथि, विशिष्ठ अतिथियों का बैज पहनाकर,पुष्प गुच्छ भेंट कर सम्मानित किया गया। उद्घाटन सत्र का संचालन ब्लांक समन्वयक गंभीर सिंह मेहता के द्वारा किया गया। ब्लांक स्तरीय स्वास्थ्य मेले में ऐलोपैथिक, आयुर्वेदिक, होम्योपैथिक चिकित्साधिकारियों एवं कर्मचारियों के द्वारा जरुरतमंद मरीजों की स्वास्थ्य जांच, स्वास्थ्य उपचार, स्वास्थ्य शिक्षा दी जा रही है। साथ ही मरीजो को निशुल्क दवा वितरण किया जा रहा है।

स्वास्थ्य विभाग के अतिरिक्त विभिन्न विभागों के द्वारा मेले स्थल में स्टाल लगाकर संबंधित विभागों की जन कल्याणकारी योजनाओं की जानकारी दी जा रही है।

भाजपा स्थापना दिवस पखवाडे के अन्तर्गत मनाया पोषण दिवस

संवाददाता

देहरादून। भाजपा स्थापना दिवस के अवसर आज का दिन पोषण दिवस के रूप में मनाया गया।

आज यहां भारतीय जनता पार्टी स्थापना दिवस के अवसर पर सामाजिक न्याय पखवाड़े के अंतर्गत जिला देहरादून के सभी 17 मंडलों में पोषण दिवस के रूप में मनाया गया। जिसके अंतर्गत आशा आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं का अभिनंदन किया गया और पोष्टिक खाद्य पैकटों का वितरण भी किया गया इसी क्रम में भाजपा डोईवाला द्वारा दून जायका होटल में आशा कार्यकर्ताओं का अभिनंदन कार्यक्रम आयोजित किया गया।

इस अवसर पर मंडल अध्यक्ष विनय कंडवाल व जिला मीडिया प्रभारी संपूर्ण सिंह रावत ने कहा कि आशा कार्यकर्ताओं स्वास्थ्य सेवा के क्षेत्र में अपनी बहुत ही महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही हैं, कोरोना काल में अपने सेवा कार्यों से अलग ही छाप छोड़ी है, जिसे कभी भुलाया नही जा सकता।

वरिष्ठ भाजपा नेत्री कुसुम सिद्धू व कार्यक्रम संयोजक आशा सेमवाल ने आशा कार्यकर्ताओं की सराहना की। इस अवसर पर पूर्व ग्राम प्रधान नरेंद्र नेगी पंकज शर्मा ,सभासद राजेश भट्ट, संदीप नेगी, प्रदीप नेगी, राकेश डोभाल, उधम सिंह सोलंकी,सोनू गोयल, आरती लेखडा, रोहित क्षेत्री,माजरी मंडल में भी आंगनबाड़ी केंद्रों पर खाद्य पैकटों का वितरण किया गया जिसमें मंडल अध्यक्ष राजकुमार राज प्रताप बस्ती, जरनैल सिंह, सुमनलता, श्याम सिंह,दिनेश वर्मा,हरजिंदर सिंह ध मेंद्र पाल सहित अनेकों भाजपा कार्यकर्ता उपस्थित थे।

कोरोना से डरे नहीं
सतर्क रहें, सुरक्षित रहें

एक नजर

मंदिरों के सामने कुरान पढ़ने की धमकी देने वाली सपा नेता रुबीना खान पर मामला दर्ज

नई दिल्ली । अजान–हनुमान चालीसा को लेकर लाउडस्पीकर का विवाद दिन ब दिन गहराता जा रहा है। समाजवादी पार्टी की महिला विंग की नेता रुबीना खान ने कहा है कि अगर हिंदू कार्यकर्ता अलीगढ़ में २१ क्रॉसिंग पॉइंट्स पर हनुमान चालीसा का पाठ करते हैं, मुस्लिम महिलाएं मंदिरों के सामने कुरान पढ़ेंगी। रुबीना खान के खिलाफ सिविल लाइंस थाने में भड़काऊ भाषण देने का मामला दर्ज किया गया है। उन्होंने संवाददाताओं से कहा कि मस्जिदों से लाउडस्पीकर हटाने की मांग कर मुस्लिम समुदाय

को जानबूझकर निशाना बनाने की कोशिश की जा रही है। बाबरी मस्जिद के पक्षकार रहे इकबाल अंसारी ने रुबीना खान को अनावश्यक बयान देने के लिए उनकी निंदा की। उन्होंने कहा कि राजनैतिक नेताओं को संवेदनशील मुद्दों का फायदा उठाने की कोशिश बंद कर देनी चाहिए। नमाज मस्जिदों में पढ़ी जानी चाहिए न कि मंदिरों के सामने। हनुमान गढ़ी मंदिर के महंत राजू दास ने भी कहा कि नेताओं को ऐसे बयान देने से बचना चाहिए जो लोगों को भड़काएं। उन्होंने कहा कि अगर कोई शिकायत करता है तो हम मंदिरों में लगाए गए लाउडस्पीकरों की साउंड कम कर देते हैं। मुसलमानों को भी ऐसा ही करना चाहिए क्योंकि यह जनहित के लिए है।

काबुल में दो स्कूलों में विस्फोट, 6 की मौत दर्जनों घायल

काबुल। अफगानिस्तान की राजधानी में मंगलवार को दो विस्फोट हुए और स्थानीय रिपोर्टों के अनुसार ६ लोगों की मौत हो गई है जबकि दर्जनों के घायल होने की खबर है। पहला धमाका पश्चिमी काबुल में मुमताज स्कूल के पास और दूसरा अब्दुल रहीम शाहिद स्कूल के सामने हुआ। ये धमाका उस वक्त हुआ जब स्कूली बच्चे अपनी क्लास के लिए जा रहे थे। अफगानिस्तान के आंतरिक मंत्रालय ने अब्दुल रहीम शहीद हाई स्कूल के पास विस्फोट की पुष्टि की है। मंत्रालय ने कहा कि घटना की जांच शुरू कर दी गई है और विवरण बाद में साझा किया जाएगा। स्थानीय अफगानिस्तान समाचार को कवर करने वाले एक पत्रकार ने ट्विटर पर लिखा, ष्एक आत्मघाती हमलावर ने काबुल के दश्त बारची में एक स्कूल पर हमला किया, जो मुख्य रूप से शिया बाहुल है। विस्फोट अब्दुल रहीम शाहिद स्कूल के मुख्य एग्जिट गेट में हुआ जहां छात्रों की भीड़ थी, एक शिक्षक ने जो आश्चर्यजनक रूप से हमले से बच गया उसने मुझे बताया कि कई लोगों के हताहत होने की आशंका है। काबुल पुलिस का कहना है कि विस्फोट अब्दुल रहीम शाहिद हाई स्कूल में हुए और हमारे शिया भाइयों को निशाना बनाया गया।

तलाकशुदा मुस्लिम महिलाओं को भी है गुजारा भत्ता पाने का अधिकार, जब तक वे दूसरी शादी नहीं कर लेतीं

लखनऊ । इलाहाबाद हाईकोर्ट की लखनऊ बेंच ने मुस्लिम महिलाओं के हक में महत्वपूर्ण फैसला देते हुए कहा है कि तलाकशुदा मुस्लिम महिलाओं को भी दंड प्रक्रिया संहिता (सीआरपीसी) की धारा १२५ के तहत पति से गुजारा भत्ता पाने का अधिकार है और वे इद्दत की अवधि के पश्चात भी इसे प्राप्त कर सकती हैं। अदालत ने अपने फैसले में यह भी स्पष्ट किया कि तलाकशुदा महिलाओं को यह अधिकार तब तक है जब तक वे दूसरी शादी नहीं कर लेतीं। न्यायमूर्ति करुणेश सिंह पवार की पीठ ने याचिकाकर्ता रजिया के आपराधिक पुनरीक्षण याचिका पर यह आदेश दिया। वर्ष २००८ में दाखिल इस पुनरीक्षण याचिका में प्रतापगढ़ के एक सत्र न्यायालय के आदेश को चुनौती दी गई थी। सत्र

अदालत ने निचली अदालत के फैसले को पलटते हुए कहा था कि मुस्लिम महिला (तलाक पर अधिकारों का संरक्षण) अधिनियम के आने के बाद याचिकाकर्ता और उसके पति का मामला इसी अधिनियम के अधीन होगा। सत्र अदालत ने कहा कि उक्त अधिनियम की धारा तीन एवं चार के तहत ही मुस्लिम तलाकशुदा पत्नी गुजारा भत्ता पाने की अधिकारी है। ऐसे मामलों में सीआरपीसी की धारा १२५ लागू नहीं होती। पीठ ने सत्र अदालत के इस फैसले को निरस्त करते हुए कहा कि सर्वोच्च न्यायालय द्वारा शबाना बानो मामले में दिए गए निर्णय के बाद यह तय हो चुका है कि मुस्लिम तलाकशुदा महिला धारा १२५ के तहत इद्दत की अवधि के बाद भी गुजारा भत्ता पाने की अधिकारी है, जब तक कि वह दूसरी शादी नहीं कर लेती। इद्दत का तात्पर्य महिला के पति की मौत अथवा तलाक के बाद एक निश्चित अवधि के लिए पर–पुरुष (जिनसे निकाह की संभावना हो) से दूर रहने से है।

तीर्थनगरी ऋषिकेश में युवती के साथ सामुहिक दुष्कर्म!

हमारे संवाददाता

देहरादून। ऋषिकेश वीरभद्र रेलवे स्टेशन पर एक युवती के साथ सामुहिक दुष्कर्म का मामला सामने आने पर सनसनी फैल गयी। सूचना मिलने पर पुलिस ने युवती को अस्पताल पहुंचाया गया। जहां उसका उपचार किया जा रहा है।

मामला आज सुबह तब प्रकाश में आया जब आज सुबह वीरभद्र रेलवे स्टेशन पर स्टेशन गार्ड को एक युवती प्लेटफार्म पर बेहोशी की हालत में मिली। जब युवती को होश में लाया गया तो उसने अपनी आपबीती सुनाते हुए कहा कि रात को कुछ युवक उसे नशीला पदार्थ खिलाकर यहां पर लाए और उसके साथ उन सभी ने मिलकर

❑जांच में जुटी पुलिस, युवती की मानसिक हालत भी ठीक नहीं

दुष्कर्म किया।

इस पर स्टेशन गार्ड और वहां पर कार्यरत कर्मचारियों ने जीआरपी पुलिस और श्यामपुर पुलिस चौकी को इस मामले की सूचना दी। सूचना पर पुलिसकर्मी मौके पर पहुंचे और युवती से पूछताछ की, पूछताछ में युवती द्वारा दुष्कर्म की घटना स्वीकार होने पर उसे प्राथमिक चिकित्सा के लिए राजकीय चिकित्सालय ऋषिकेश पहुंचा दिया गया।

वहीं युवती से पूछताछ में पुलिस को यह भी पता चला है कि वह यूपी के रामपुर की रहने वाली है और उसकी मानसिक स्थिति भी कुछ सही नहीं है। वहीं इस मामले में जीआरपी पुलिस का कहना है कि युवती के परिजनों को मामले की जानकारी दे दी गयी है। तथा उनके पहुंचने पर ही अग्रिम कार्यवाही की जायेगी। वहीं दिन भर चर्चा इस बात की भी रही कि इस मामले में पुलिस ने सीसी कैमरे की मदद से कुछ संदिग्धों को हिरासत में भी लिया गया है।

नकली ब्यूटी प्रोडेक्ट बेचने पर दो दुकानदारों के खिलाफ मुकदमा

संवाददाता

देहरादून। हिन्दूस्तान लीवर के नकली ब्यूटी प्रोडेक्ट बेचने के मामले में पुलिस ने दो दुकानदारों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी।

प्राप्त जानकारी के अनुसार प्रभात कुमार गुप्त पुत्र एन० के० गुप्त ने कोतवाली में मुकदमा दर्ज कराते हुए बताया कि हिन्दूस्तान यूनिलिवर में जांच अधिकारी के पद पर नियुक्त है। कम्पनी को थाना क्षेत्र पलटन बाजार से कम्पनी के लेक्मे के ब्यूटी प्रोडेक्ट के नकली उत्पाद बेचे जाने की सूचना प्राप्त हो रही थी जिस पर कम्पनी द्वारा मार्केट सर्वे कराये जाने पर दो दूकानों चारु कास्मेटिक, मेरठ कैंची रिपेयर जिसके प्रोपराइडर राजेश दूआ एंव इल्याज एहमद है से नकली सामान बेचा जाना ज्ञात हुआ । उक्त विषय में सूचना मिलने पर पुलिस ने उक्त दुकानों पर पहुंच विभिन्न सामानों को कब्जे में लेकर दोनों दुकानदारों के खिलाफ कॉपीराईट एक्ट के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया गया है।

बैंक अधिकारी बन ठगे दो लाख रुपये

संवाददाता

देहरादून। पीएनबी अधिकारी बन खाते से दो लाख 38 हजार रूपये उडा दिये। पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी।

प्राप्त जानकारी के अनुसार विजय पार्क निवासी गिरिश कक्कड ने साईबर थाने में प्रार्थना पत्र देते हुए बताया कि उसके फोन पर एक कॉल आयी तथा काल करने वाले ने अपने आपको पीएनबीका अधिकारी बताया तथा उसके क्रेडिट कार्ड के बारे में पूछा। उसने अपने क्रेडिट कार्ड की स्थिति जानने के लिए उसको दोबारा फोन किया तो उसके खाते से 2 लाख 38 हजार रूपये गायब हो गये। पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी।

कांग्रेसियों ने सर्वधर्म समभाव प्रार्थना सभा में भाजपा पर साधा निशाना

●प्रार्थना सभा में कांग्रेसियों ने दिखाई एकता

विशेष संवाददाता

देहरादून। उत्तराखंड प्रदेश कांग्रेस द्वारा आज राजधानी के गांधी पार्क पर आयोजित सर्वधर्म समभाव प्रार्थना सभा का आयोजन किया गया। जिसमें पूर्व सीएम हरीश रावत व पूर्व नेता विपक्ष प्रीतम सिंह से लेकर तमाम दिग्गज कांग्रेसी नेताओं ने भाग लिया।

प्रार्थना सभा में कांग्रेसी नेताओं द्वारा कांग्रेस को सर्वधर्म समभाव वाली राजनीतिक पार्टी बताते हुए कहा गया कि कांग्रेस देश की एकमात्र ऐसी राजनीतिक पार्टी है जिसके द्वारा सभी धर्मों और जातियों तथा क्षेत्र के लोगों को समभाव की नीति से सम्मान दिया जाता है। कांग्रेसी नेताओं ने कहा कि भाजपा की नीतियां सामाजिक विघटन वाली है राजनीतिक स्वार्थों के लिए भाजपा के नेताओं द्वारा धर्म और आस्था की आड़ लेकर अपने हित साधने का काम किया जाता है।

कांग्रेसी नेताओं ने आरोप लगाया कि भाजपा के शासनकाल में सांप्रदायिक टकराव की भावना बढ़ रही है। भाजपा ने हमेशा ही मंदिर–मस्जिद तथा हिंदू–मुसलमान की राजनीति की है। कांग्रेसी नेताओं का कहना है कि भाजपा की नीतियों से देश का सांप्रदायिक सौहार्द समाप्त हो रहा है जो देश की एकता और अखंडता के लिए बड़ा खतरा है।

भले ही कांग्रेसी नेता अभी प्रदेश अध्यक्ष की ताजपोशी और नेता विपक्ष के पदभार ग्रहण के दौरान बंटे–बंटे दिखाई दिए हो लेकिन आज इस सर्वधर्म समभाव सभा में तमाम छोटे–बड़े नेताओं ने अपनी उपस्थिति दर्ज करा कर अपनी एकजुटता का सबूत भी दिया। हरीश रावत से लेकर प्रीतम सिंह तथा यशपाल आर्य से लेकर करण माहरा और गणेश गोदियाल तक तमाम नेता इस कार्यक्रम में मौजूद रहे।

महिला से फोन लूटा

संवाददाता

देहरादून। राजपुर रोड पर राहगीर से मोबाइल फोन लूट लिया। पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी। प्राप्त जानकारी के अनुसार आर्यनगर निवासी महिला परमजीत कौर ने कोतवाली में मुकदमा दर्ज कराते हुए बताया कि वह गांधी पार्क से घर की तरफ जा रही थी तभी पीछे से एक व्यक्ति उसके पास आया और उसके हाथ से मोबाइल छीनकर भाग गया। पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

आर.एन.आई.- 59626/94

स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक श्रीमती पुष्पा कांति कुमार द्वारा दिग्विजय सिनेमा बिल्डिंग घंटाघर, देहरादून से प्रकाशित तथा अवि प्रिंटर्स 21 ईसी रोड, देहरादून से मुद्रित।

प्रधान संपादक
कांति कुमार

संपादक
पुष्पा कांति कुमार

समाचार संपादक
आनंद कांति कुमार

कानूनी सलाहकार:
वी के अरोड़ा, *एडवोकेट*
बैजनाथ, *एडवोकेट*

कार्यालय: दिग्विजय सिनेमा बिल्डिंग देहरादून।
मो. 9358134808

नोट: सभी विवादों के लिये देहरादून न्यायालय ही मान्य होगा, प्रकाशित सामग्री के लिए प्रिंटर्स की कोई जिम्मेदारी नहीं होगी।